उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः4 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 23 फरवरी-2026

अंदर के पृष्ठ पर | कानपुर देहातः मदद के लिए चीखते-चीखते थम गईं चार सांसें 8 | न्याय और कल्याणकारी योजनाओं का संगम बना विधिक सेवा शिविर 7

मेरठ में बोले पीएम मोदी- कांग्रेस, सपा, बसपा कर रहीं जहरीली राजनीति, हिम्मत है तो विकास के मुद्दे पर लड़ें

पीएम ने दिल्ली-मेरठ रेपिड रेल को दिखाई हरी झंडी

» अब 1 घंटे से भी कम में पूरा होगा सफर

मेरठ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली-मेरठ ऋऋक्षस कॉरिडोर का पूर्ण उद्घाटन कर दिया है, जिससे 82 किमी का सफर अब एक घंटे से भी कम समय में संभव होगा। नमो भारत ट्रेन और भारत की सबसे तेज मेरठ मेट्रो के संचालन से दिल्ली-एनसीआर में ट्रैफिक कम करने और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली-मेरठ के बीच चलने वाली रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम और भारत की सबसे तेज मेरठ मेट्रो सेवा का उद्घाटन किया। 82 किलोमीटर लंबे इस पूरे कॉरिडोर के बन जाने से दिल्ली और मेरठ के बीच का सफर अब एक घंटे से भी कम समय में पूरा हो सकेगा। आज शाम 6 बजे से ये सेवाएं आम जनता के लिए शुरू हो जाएंगी।

मेरठ मेट्रो की खासियत

मेरठ मेट्रो भारत की सबसे तेज मेट्रो सर्विस बन गई है, जिसकी रफ्तार 120 किमी प्रति घंटा है। यह पूरा रूट करीब 30 मिनट में कवर कर लेगी। खास बात यह है कि भारत में पहली बार %नमो भारत% ट्रेन और मेट्रो दोनों एक ही ट्रैक पर चलेंगी। 23 किलोमीटर लंबे इस मेट्रो कॉरिडोर में मेरठ साउथ, बेगमपुल और मोदीपुरम जैसे कुल 13 स्टेशन बनाए गए हैं।ऋऋक्षस ट्रेनें 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी, जिससे गाजियाबाद, साहिबाबाद और मोदीनगर जैसे इलाकों की दिल्ली से कनेक्टिविटी बहुत बेहतर हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर मेरठ में करीब 12,930 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी दी। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य दिल्ली-एनसीआर में ट्रैफिक कम करना और लोगों के समय की बचत करना है।

» बीपीएस न्यूज

मेरठ। मेरठ के लिए रविवार का दिन ऐतिहासिक रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ मेट्रो का उद्घाटन कर दिया, साथ ही रैपिड रेल का विस्तार किया। इस दौरान आयोजित जनसभा में पीएम ने कहा कि कांग्रेस अपनी जहरीली और गंदी राजनीति को छोड़े।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मेरठ को नमो भारत रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो की बड़ी सौगात दी। दोनों नेताओं ने दिल्ली के सराय काले खां से मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर लंबे रैपिड कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान मेरठ के मोहीउद्दीनपुर में आयोजित जनसभा में पीएम मोदी ने कांग्रेस और अन्य दलों पर जमकर निशाना साधा।

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने कांग्रेस, सपा और बसपा को कहा था कि अपनी जहरीली राजनीति छोड़िए और आइए विकास के मुद्दे पर मुकाबला करके देखते हैं। लेकिन इन दलों ने अपनी जहरीली राजनीति नहीं बदली। भाजपा ने अपनी विकास की नीति को हमेशा सर्वोपरि रखा।

इसका एक उदाहरण हमारी मेट्रो भी है। 2014 से पहले यानी कांग्रेस सरकार के समय में चार-पांच शहरों में मेट्रो थी, आज 25 से ज्यादा शहरों में मेट्रो चलने लगी है।

मोदी ने कहा कि जब देश में कांग्रेस की सरकार थी, तो ये सब संभव ही नहीं था। तब इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों में गुम हो जाते थे। मेट्रो जैसी अधिकतर टेक्नोलॉजी हमें विदेशों से आयात करनी पड़ती थी। हमने घोटाले बंद किए। देश को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया। मेरठ और पश्चिम यूपी वालों का जीवन बदलने वाला है। अब एक ही स्टेशन से, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि हम तो वो लोग हैं, जो गांव में किसी के यहां शादी होती है तो पूरा गांव उसे सफल बनाने में जी-जान से जुट जाता है। ताकि मेहमान गांव की अच्छी छवि लेकर जाएं। कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है। कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है। हम इसे भी सहन कर लेंगे। लेकिन कांग्रेस को याद रखना चाहिए था कि ये AI ग्लोबल समिट भाजपा का कार्यक्रम नहीं था, न ही उस समय भाजपा का कोई नेता वहां था।

मोदी ने कहा कि पूरा देश कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू कर रहा है। दुर्भाग्य देखिए, इतनी पुरानी पार्टी के नेता बेशर्मी के साथ देश की बेइज्जती करने वालों का जयकारा कर रहे हैं। ये मामला कांग्रेस की हरकतों का लगातार चल रहा है। संसद में खुद परफॉर्म नहीं कर पा रहे तो अपने साथी को भी बोलने का मौका नहीं देते। सदन को चलने नहीं देते। इसका सबसे बड़ा नुकसान कांग्रेस के साथी दलों को हो रहा है।

पाप कांग्रेस करती है, भुगतना साथियों को पड़ता है। उन्होंने कहा कि मैं नम्रतापूर्वक देश के मीडिया से रिक्वेस्ट करना चाहता हूं कि कृपा करके हम जब इस प्रकार की हरकतों की आलोचना करें, तो इस तरह की हेडिंग न बनाएं कि मोदी ने विपक्ष को धो डाला। ये विपक्ष-विपक्ष करके आप कांग्रेस को बचा रहे हैं। विपक्ष में जो और साथी बैठे हैं, वो भी समझ गए हैं कि पाप कांग्रेस करती है और भुगतना उन्हें पड़ता है।

मेरठ को मिली रैपिड मेट्रो और नमो भारत की सौगात

सीएम योगी बोले-विकास-रोजगार निवेश को मिलेगा बढ़ावा

» बीपीएस न्यूज

मेरठ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ में नमो भारत रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो का उद्घाटन किया। सीएम योगी ने कहा कि नया भारत तेजी से बढ़ रहा है और इससे मेरठ से दिल्ली की दूरी और कम होगी।

दोनों नेता सराय काले खां से मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर लंबे रैपिड कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया है। इससे पहले 55 किमी कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन का संचालन शुरू हो चुका है।

नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मेरठ को नमो भारत रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो की बड़ी सौगात दी। इसके साथ ही सात साल से चल रहा इंतजार समाप्त हो गया और शहर की रफ्तार को नया ट्रैक मिल गया।

दोनों नेताओं ने दिल्ली के सराय काले खां से मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर लंबे रैपिड कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया। इससे पहले 55 किलोमीटर कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन का संचालन शुरू किया जा चुका था।

मुख्यमंत्री योगी ने किया प्रधानमंत्री का स्वागत

मेरठ पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने लगभग 12,930 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया।

नया भारत तेजी से बढ़ रहाः मुख्यमंत्री योगी

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नया भारत तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का विजन वैश्विक स्तर पर सराहा जा रहा है और डिजिटल इंडिया इसका प्रमुख उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल स्तर पर भारत की पहचान मजबूत हुई है और दुनिया भारत के विकास मॉडल की सराहना कर रही है।

मेरठ से दिल्ली का सफर हुआ आसान

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले मेरठ से दिल्ली की दूरी लोगों के लिए चुनौती होती थी, लेकिन अब एक्सप्रेसवे और रैपिड रेल ने इसे आसान बना दिया है।

उन्होंने बताया कि अब दिल्ली से मेरठ का सफर 45 से 50 मिनट में पूरा हो रहा है और नमो भारत रैपिड रेल से यह दूरी और कम होगी।

विकास, रोजगार और निवेश को मिलेगा बढ़ावा

नमो भारत और मेरठ मेट्रो शुरू होने से मेरठ में व्यापार, रोजगार, शिक्षा और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। इससे मेरठ हृष्टक्रके साथ और मजबूती से जुड़ जाएगा और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

नहीं थम रहा 'यादव जी की लव स्टोरी' का विरोध, सड़कों पर उतरा यादव समाज

संभल। फिल्म यादव जी की लव स्टोरी के खिलाफ यादव समाज के हजारों लोगों ने सड़क पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बहजोई में कलेक्ट्रेट के निकट बड़ा मैदान पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में दो टूक कहा गया कि फिल्म पर पाबंदी नहीं लगी तो परिणाम अच्छा नहीं होगा। समाज अपने गौरव की रक्षा के लिए पूरी ताकत से विरोध पर उतरेगा। फिल्म पर पाबंदी की मांग को लेकर डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।यादव समाज की तरफ से चार दिन पहले 21 फरवरी को बहजोई बड़ा मैदान पर प्रदर्शन के कार्यक्रम का ऐलान किया गया था। शनिवार को सुबह से ही जनपद के अलग-अलग क्षेत्रों से यादव समाज के लोग बड़ा मैदान पर पहुंचने शुरु हो गये। दोपहर 12 बजे तक बड़ा मैदान पर एक हजार से ज्यादा लोग इकट्ठा हो चुके थे। सभी लोग अपने हाथों में फिल्म यादव जी की लव स्टोरी के खिलाफ नारे लिखे पोस्टर व बैनर उठाए हुए थे। इसके साथ ही फिल्म के खिलाफ जोरदार नारेबाजी भी हो रही थी।भाजपा के पूर्व एमएलसी भारत सिंह यादव ने कहा कि किसी भी समाज की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाली फिल्म स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि 27 फरवरी को रिलीज प्रस्तावित यह फिल्म समाज को नीचा दिखाने की कोशिश है।

भारत ने मुस्लिम देश से बढ़ाई कच्चे तेल की आपूर्ति, रूस से आयात घटा

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। भारत की कच्चे तेल की आयात रणनीति अब एक नए बदलाव के दौर में प्रवेश कर रही है। आयातित खेप के आंकड़े और विश्लेषक बताते हैं कि सऊदी अरब के नेतृत्व में पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ता अपनी बाजार हिस्सेदारी फिर से हासिल कर रहे हैं।

वहीं, रूसी तेल की आवक अब भी महत्वपूर्ण बनी हुई है, लेकिन भू-राजनीति और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते इसमें कमी आ रही है। रूस से होने वाली आपूर्ति में कमी आने के कारण एक से 18 फरवरी के दौरान भारत का कुल कच्चा तेल आयात गिरकर औसतन 48.5 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रह गया।यह जनवरी के 5.25 लाख बीपीडी के मुकाबले आठ प्रतिशत कम है। पिछले महीने प्रमुख रूसी निर्यातकों पर अमेरिकी प्रतिबंधों और यूरोपीय संघ के 18वें प्रतिबंध पैकेज के प्रभावी होने के बाद वहां से आने वाले तेल के प्रवाह में यह गिरावट देखी गई है।

जहाजों की आवाजाही के निगरानी आंकड़ों से पता चलता है कि भारत को होने वाली रूसी आपूर्ति दिसंबर, 2025 के 12.8 लाख बीपीडी से घटकर जनवरी में 12.2 लाख बीपीडी रह गई और फरवरी की शुरुआत में यह लगभग 10 प्रतिशत और घटकर 10.9 लाख बीपीडी पर आ गई।

वैश्विक जिंस आंकड़े विश्लेषक कंपनी केपलर के मुख्य शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, फरवरी में भारत का रूसी कच्चा तेल आयात लगभग 10-12 लाख बीपीडी रहने का अनुमान है, जिसके मार्च में घटकर करीब 8-10 लाख बीपीडी तक आने की संभावना है।2022 के बाद भारत ने रूस से बढ़ाया था तेल आयात

वर्ष 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद भारी छूट पर मिलने के कारण भारत ने रूसी तेल की खरीद बड़े पैमाने पर शुरू की थी, लेकिन अब यह आवक बढ़ने के बजाय स्थिर होती दिख रही है।

उन्होंने कहा, हालांकि, हम इसे एक अल्पकालिक स्थिरता के रूप में देख रहे हैं, न कि 2025 के मध्य में देखे गए उच्चतम स्तर पर वापसी के रूप में। हमारा अनुमान है कि व्यावसायिक और नीतिगत बाधाओं के कारण, 2024-2025 की तुलना में 2026 में भारत के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी धीरे-धीरे कम होकर एक निचले स्तर पर स्थिर हो जाएगी।

वर्तमान आकलन के अनुसार, अमेरिका और भारत के बीच एक व्यावहारिक समझ बनी है जो भारत को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए रूसी आयात की अनुमति देती है, लेकिन इसे और अधिक बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित नहीं करती। जैसे-जैसे रूसी तेल की मात्रा कम हो रही है, पश्चिम एशिया खाड़ी देश इस कमी को पूरा कर रहे हैं।

रितोलिया ने बताया कि सऊदी अरब से होने वाली आपूर्ति फरवरी में 10 लाख से 11 लाख बीपीडी तक पहुंचने की उम्मीद है, जो नवंबर, 2019 के बाद का उच्चतम स्तर है। महीने की शुरुआत से अब तक सऊदी अरब से आने वाले तेल का प्रवाह लगभग 14 लाख बीपीडी दर्ज किया गया है।

हालांकि, मार्च की शुरुआत में इसमें कुछ नरमी आने की संभावना है। वर्तमान रुझानों के आधार पर, सऊदी अरब फरवरी में भारत के शीर्ष आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है, जिसके बाद रूस और इराक का नंबर आता है।

कपड़ा फैक्ट्री में पहचान छिपाकर रह रहे थे आतंकी

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक बड़े आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए राजधानी को दहलाने की बड़ी साजिश नाकाम कर दी है। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार 8 संदिग्ध आतंकी चांदनी चौक के मंदिर और लाल किले के आसपास IED धमाके करने की फिराक में थे, जिनका संबंध लश्कर-ए-तैयबा और ISI से बताया जा रहा है।दिल्ली पुलिस ने एक बहुत बड़े आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश

किया है, जिसका संबंध पाकिस्तान के संगठन लश्कर-ए-तैयबा, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और बांग्लादेश के कट्टरपंथी गुटों से बताया जा रहा है। पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से कुल 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है।पुलिस को दिल्ली मेट्रो और राजधानी की 10 से ज्यादा जगहों पर फ्री कश्मीर के भड़काऊ पोस्टर मिले थे। जब जांच शुरू हुई, तो पता चला कि इसके तार तमिलनाडु से जुड़े हैं। पुलिस ने तमिलनाडु के तिरुपुर की कपड़ा फैक्ट्रियों में छापा मारकर 6 लोगों को पकड़ा, जो वहां पहचान छिपाकर काम कर रहे थे।

वहीं 2 अन्य संदिग्धों को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया। इनके पास से फर्जी आधार कार्ड, 8 मोबाइल फोन और 16 सिम कार्ड बरामद हुए हैं।पकड़े गए आरोपियों में कुछ बांग्लादेशी नागरिक भी हैं। जांच में पता चला है कि इनका हैंडलर कश्मीर का रहने वाला है, पाकिस्तान के इशारे पर काम कर रहा है। माना जा रहा है कि इस हैंडलर ने पाकिस्तान में आतंकी ट्रेनिंग ली है और वही इन सबको निर्देश दे रहा था।पुलिस को संदिग्धों के फोन से दिल्ली के कई इलाकों के रेकी वीडियो मिले हैं। खुफिया जानकारी के अनुसार, ये आतंकी चांदनी चौक के एक मंदिर और लाल किले के आसपास के ऐतिहासिक इलाकों में आईईडी बम धमाके करने की फिराक में थे। यह गिरफ्तारी दिल्ली में हाई अलर्ट जारी होने के ठीक एक दिन बाद हुई है।

अपनी बात....

संपादकीय ....

फर्जी दावे से राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को आंच

दिल्ली में आयोजित, भारत की महत्वाकांक्षी वैश्विक एआई समिट की शुरुआत में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी द्वारा विदेशी रोबोट को अपनी खोज बताकर किए दावे ने देश को असहज किया। ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व कर रहे भारत की तरक्की को लेकर अकसर मीन-मेख निकालने वाले पश्चिमी मीडिया को ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कृत्य ने नुक्ताचीनी का एक और मौका जरूर दे दिया। जिसको लेकर पश्चिमी मीडिया में खासी चर्चा हुई। यहां एक निष्कर्ष यह भी निकला कि तकनीकी शिक्षा में निजी क्षेत्रों को मौका मिलने का किस हद तक दुरुपयोग भी किया जा सकता है। यह भी कि मौलिक गुणवत्ता से समझौता करके हम देश का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं। यह घटनाक्रम देश में तेजी से बढ़ती उस नकारात्मक प्रवृत्ति का हश्र भी बताता है, जिसमें आनन-फानन में शॉर्टकट से सफलता की तलाश रहती है। विडंबना यह है कि इस घटना ने वैश्विक एआई सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में कई सवाल पैदा किये। सवाल उठाया कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्टीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। इसके साथ ही हमें एआई जगत में अपनी विश्वसनीयता भी कायम करनी होगी। ताकि फिर किसी गलगोटिया यूनिवर्सिटी की खुरापात से देश की फजीहत न हो। बल्कि हमारा शोध व विकास का तंत्र इतना मजबूत हो कि फिर हमारे किसी संस्थान को विदेशी उत्पाद को अपना नवाचारी उत्पाद बताने की जरूरत न पड़े। अन्यथा न केवल एआई समिट बल्कि देश की गरिमा को भी आंच आ सकती है। देश में शोध-अनुसंधान से जुड़े संस्थानों व विश्वविद्यालयों को सोचना होगा कि आज के कृत्रिम मेधा व इंटरनेट के जमाने में किसी खोज के बारे में फर्जी दावा कर पाना संभव नहीं है। बल्कि ऐसे कृत्य से उस संस्थान व देश की प्रतिष्ठा को आंच ही आती है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम मेधा आने वाले वर्षों में किसी भी देश की ताकत-संपन्नता का आधार बनेगी। लेकिन इस राह में कामयाबी हासिल करने के लिये देश में शोध-अनुसंधान की बुनियाद मजबूत करने की जरूरत है। अन्यथा देश को छद्म दावों से असहज स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इससे देश की प्रतिष्ठा को आंच भी आ सकती है। निस्संदेह, आज भारत को देश में रोबोटिक्स को लेकर मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना होगा। इसके लिये देश के पास तकनीकी क्षमता और प्रतिभा उपलब्ध है, लेकिन जरूरत इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने की है। जिसके लिये सरकारी संबल और इंजीनियरिंग की तमाम शाखाओं में बेहतर तालमेल जरूरी है। निश्चित रूप से साठ के दशक में रोबोटिक्स की शुरुआत करने वाले अमेरिका से मुकाबला करने में हमें कुछ वक्त लगेगा। भले ही भारतीय उद्योग जगत रोबोटिक्स के शुरुआती दौर में हो, लेकिन आज देश के हर आईआईटी संस्थान में रोबोटिक्स लैब हैं। हम अपनी तेज प्रगति पर गर्व कर सकते हैं।

लिव-इन में दहेज कानून से संरक्षण की आस

ऋतु शास्वत

लिव-इन जैसे संबंधों में भी दहेज और आर्थिक दबाव जैसे आरोप सवाल उठाते हैं। क्या संकट दहेज प्रथा में है, या हमारी सामाजिक मानसिकता में? जो आधुनिक संबंधों में भी स्वार्थ और वर्चस्व के तत्वों को पुनः स्थापित कर देती है? कहीं दहेज या क्रूरता के आरोप टूटते लिव-इन संबंधों को कानूनी रूप से साधने, दबाव बनाने या प्रतिशोध लेने का माध्यम तो नहीं बन रहे?हाल ही में देश को शीर्ष अदालत ने 'लोकेश बी.एच. एवं अन्य बनाम कर्नाटक राज्य एवं अन्य' के मामले के आपराधिक कानून से जुड़े प्रश्न पर विचार करने के लिए सहमति दी है। क्या किसी महिला के साथ विवाह जैसे संबंध (लिव-इन रिलेशनशिप) में रहने वाले पुरुष को भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 498ए के तहत क्रूरता के अपराध के लिए अभियोजन के दायरे में लाया जा सकता है या नहीं। उल्लेखनीय है कि यह मुद्दा एक विशेष अनुमति याचिका में उठाया गया है, जिसमें कर्नाटक हाईकोर्ट के 18 नवंबर 2025 के निर्णय को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि धारा 498ए उन मामलों में भी लागू हो सकती है जहां संबंध विवाह के समान प्रकृति का हो।

गौरतलब है कि धारा 498ए भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत यह प्रावधान है कि यदि किसी महिला के साथ उसके पति अथवा पति के रिश्तेदार द्वारा क्रूर व्यवहार किया जाता है, तो वह दंडनीय अपराध माना जाएगा। इस व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य विवाहित महिलाओं को दहेज से जुड़े उत्पीड़न तथा अन्य प्रकार की शारीरिक या मानसिक यातना से कानूनी सुरक्षा प्रदान करना है। इसी क्रम में, सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को इस वाद में पक्षकार के रूप में सम्मिलित करते हुए उसे नोटिस जारी किया है और प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने मामले से संबंधित समस्त डिजिटल अभिलेख उपलब्ध कराने के भी आदेश दिए हैं। साथ ही, इस प्रकरण में अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित कार्यवाही पर अगली सुनवाई तक अस्थायी रोक लगा दी गई है।

यह प्रश्न सरल या एकरेखीय नहीं है। इसके एक पक्ष में स्त्री के अधिकार,

गरिमा और सुरक्षा का संवेदनशील प्रश्न निहित है, तो दूसरे पक्ष में विधि की वह मर्यादा भी है जिसके अंतर्गत दहेज-निरोधक तथा क्रूरता संबंधी प्रावधानों को पारंपरिक रूप से वैध वैवाहिक संबंधों से जोड़कर देखा जाता है। एक ओर लिव-इन संबंध भारतीय समाज में गाहे-बगाहे अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं; वहीं दूसरी ओर, इनके साथ वे सभी जटिलताएं और विवाद भी सामने आ खड़े हो रहे हैं, जो प्रायः विधिसम्मत वैवाहिक संबंधों के संदर्भ में देखने को मिलते हैं। ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए जो कानून मूलतः वैवाहिक संस्था को ध्यान में रखकर बनाए गए थे, उन्हीं प्रावधानों का आश्रय लेते हुए लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़े कानून के दरवाजे खटखटाते हुए दिखाई दे रहे हैं।इस प्रकार, यह विमर्श केवल दंडात्मक कानून की तकनीकी व्याख्या का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और विधिक सीमाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती भी है। सबसे अधिक विस्मयकारी पहलू यह है कि अनेक युवा तथाकथित आधुनिक जीवन-दृष्टि और स्वतंत्रता के आग्रह के साथ लिव-इन संबंधों में प्रवेश करते हैं, मानो वे सामाजिक तथा विधि-सम्मत परंपरागत व्यवस्थाओं को महत्व नहीं देते। परंतु विडंबना यह है कि जब विवाद या संकट उत्पन्न होता है, तो वही पक्ष उन कानूनी संरक्षणों की शरण में जाते दिखाई देते हैं, जो मूलतः पारंपरिक वैवाहिक संबंधों को ध्यान में रखकर निर्मित किए गए थे।

यह विरोधाभास एक ओर सामाजिक मान्यताओं से विमुखता और दूसरी ओर उन्हीं से उपजे विधिक संरक्षण की अपेक्षा—कानून के समक्ष निरंतर एक नया संतुलन स्थापित करने की चुनौती उपस्थित कर रहा है।जनवरी, 2004 को 'रीमा अग्रवाल बनाम अनुपम एवं अन्य के मामले' में देश की शीर्ष अदालत ने कहा 'धारा 498ए को लागू करने के लिए 'पति' शब्द के अंतर्गत कौन-कौन आएगा, यह प्रश्न वास्तव में जटिल है। शब्दार्थ की दृष्टि से, विभिन्न विधि शब्दकोशों और शब्दावली में 'पति' तथा 'विवाह' की जो परिभाषाएं दी गई हैं, उनसे यह प्रतीत हो सकता है कि दंडात्मक प्रावधान लागू करने के लिए वैध विवाह का अस्तित्व अनिवार्य शर्त है।' अदालत ने यह भी कहा कि 'दहेज' की अवधारणा मूलतः विवाह से जुड़ी होती है और दहेज निषेध अधिनियम के प्रावधान भी विवाह के संदर्भ में ही लागू होते हैं। यदि स्वयं विवाह की वैधता ही विवादित हो, तो इससे अतिरिक्त विधिक जटिलताएं उत्पन्न हो जाती हैं।

अजयनाथ बनाम केरल राज्य, में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि धारा 498ए के अंतर्गत अभियोजन चलाने के लिए अभियुक्त और पीड़िता के बीच वैध वैवाहिक संबंध होना अनिवार्य है। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि यदि कथित विवाह प्रारंभ से ही शून्य हो, तो धारा 498ए के अंतर्गत अभियोजन कायम नहीं रह सकता। वर्ष 2003 के कलियापेरुमल बनाम तमिलनाडु राज्य निर्णय में न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि धारा 498ए अथवा उससे संबंधित प्रावधान स्वतः लागू नहीं हो जाते; इनके लिए विधि द्वारा मान्य वैवाहिक संबंध का अस्तित्व आवश्यक है। यदि विवाह ही वैध न हो या दहेज से जुड़ा तत्व स्थापित न हो, तो आपराधिक दायित्व आरोपित नहीं किया जा सकता।इस प्रकार न्यायालय ने विवाह को इन प्रावधानों के लागू होने की आधारशिला के रूप में स्वीकार किया। इसी तर्क का विस्तार तथाकथित 'पति के संबंधियों' तक भी होता है। जब विधिक दृष्टि से 'पति' का दर्जा ही सिद्ध न हो, तो उसके संबंधियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई भी स्वतः कमजोर पड़ जाती है। यही नहीं जुलाई, 2024 में केरल उच्च न्यायालय ने 'डॉ. अश्विन वी. नायर बनाम केरल राज्य एवं अन्य'में यह निर्णय दिया कि किसी महिला का लिव-इन पार्टनर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत 'पति' की परिभाषा में नहीं आता। न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'पति शब्द का अर्थ है विवाहित पुरुष, जो विवाह में महिला का साथी हो। अतः विवाह ही वह तत्व है जो महिला के साथी को 'पति' का दर्जा देता है। विवाह का अर्थ है

कानून की दृष्टि में वैध विवाह। इसलिए, बिना वैध विवाह के यदि कोई पुरुष किसी महिला का साथी बनता है, तो वह भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के उद्देश्य से 'पति' की परिभाषा में नहीं आएगा।'लिव-इन संबंधों की अवधारणा स्वयं इस दावे के साथ सामने आई कि यह पारंपरिक वैवाहिक बंधनों और उनसे जुड़ी सामाजिक बुराइयों विशेषतः दहेज जैसी कुरीतियों से मुक्त एक आधुनिक और स्वैच्छिक संबंध है। दहेज को लंबे समय से एक ऐसी परंपरागत सामाजिक बुराई के रूप में रेखांकित किया गया है, जिसने स्त्रियों के अधिकारों का शोषण किया और वैवाहिक संस्था को कलंकित किया। यदि लिव-इन संबंध स्वतंत्रता, समानता और आधुनिक चेतना के प्रतीक माने जाते हैं, तो फिर वहां दहेज जैसा प्रश्न उत्पन्न ही कैसे होता है?

यदि वास्तव में ऐसे संबंधों में भी दहेज या आर्थिक दबाव जैसे आरोप सामने आ रहे हैं तो यह गंभीर आत्ममंथन की मांग करता है। क्या समस्या केवल दहेज नामक प्रथा में है, या हमारी सामाजिक मानसिकता में, जो आधुनिक संबंधों में भी परंपरागत स्वार्थ और वर्चस्व के तत्वों को पुनः स्थापित कर देती है? या फिर यह भी विचारणीय है कि कहीं दहेज अथवा क्रूरता के आरोप कभी-कभी टूटते हुए लिव-इन संबंधों को कानूनी रूप से साधने, दबाव बनाने या प्रतिशोध लेने का माध्यम तो नहीं बन रहे? यह प्रश्न केवल विधिक व्याख्या का नहीं, बल्कि सामाजिक ईमानदारी और आधुनिकता की वास्तविक परिभाषा का भी है।

चूंकि अभी ब्राह्मणों का मत सर्वाधिक भाजपा और नरेंद्र मोदी के साथ है

हिंदुत्व बचाने का बोझ कब तक उठाएगा उच्च वर्ग..!

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

हिन्दू होने कि जिम्मेवारी सिर्फ ब्राह्मणों पर नहीं है, जैसे इस्लाम से खतरा का विचार भाजपा प्रस्तुत करती है। वैसा खतरा सभी हिंदुओं के लिए समान है, उन्हे भी उसकी चिंता करनी चाहिए। केवल ब्राह्मणों पर उसकी ठेकेदारी नहीं है। खतरा आएगा तो सबके लिए आएगा। जेएनयू में आजादी मांगने वाले लोगो से सरकार क्यों नहीं पूछती की वो किस धर्म जाति और वर्ग के है। यदि वो गैर हिंदू है तो फिर पाकिस्तान और बांग्लादेश को इसी धर्म के आधार पर आजदी हासिल हुई है जाए वहां और चैनो अमन से रहे अगर वो वामपंथ समर्थक है तो पश्चिम बंगाल और केरला जाए वहां उनका भाईचारा मिल जायेगा और अगर वो निचले वर्ग के हिंदू है तो पहले हिंदू होने का फ़र्ज निभाए वरना ऐसो पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हो जो यूजीसी बिल के समर्थन में ब्राह्मणवाद मुर्दाबाद के नारे लगा रहे। ब्राह्मणो का खुले मंच से अपमान हो रहा और कोई नेता मंत्री सांसद विधायक ब्राह्मणों के पक्ष में नहीं उतरा तो क्या यह कहुँ मै कि हिंदुत्व बचाने की अकेली जिम्मेदारी धीरेन्द्र शास्त्री, अमिताभ अग्निहोत्री, मनोज मुंतशीर, शुभांकर मिश्रा और पंकज सीबी मिश्रा के कंधो पर है..!

यह बात तो बहस का है ही, मगर फिर भी यूपी के उप मुख्यमंत्री पाठक के इस आप्टिक्स का मैं स्वागत करता हूँ जहां उन्होंने दबे स्वर में ही सही पर कहा तो कि कुछ तो गलत है। उन्हे पता होना चाहिए कि पार्टी ने भले उन्हे पद और सरकार में जिम्मेवारी दी हो लेकिन दी ब्राह्मण वोटों के वजह से ही है। यूपी में जो ब्राह्मण विधायक गाड़ी के आगे विधायक का पट्टी लगाए घूम रहे हैं ,और ऐसे नाजुक समय में जब राजधानी से लेकर इंटेलिजेसिया तक और एमपी से लेकर स्ट्रीट तक से ब्राह्मणों के नरसंहार का आह्वान हो रहा है। उसपर चुप्पी साधे हुए हैं , उन्हें भी अब ऐसे टिप्पणियों पर कॉल आउट करना चाहिए। किसी भी काम के लिए देर नहीं होता है। ब्राह्मणवाद शब्द सीधे ब्राह्मण जाति से जुड़ा हुआ है, इसको लेकर जो विश्वविद्यालयों में निरंतर अकादमिक और राजनैतिक विष वमन हो रहा है उस पर अब सभी ब्राह्मण सांसदों विधायकों मंत्रियो नेताओं को खुलकर बोलना चाहिए। और सिर्फ बोलना ही नहीं एक ऐसा मंजर खड़ा करना चाहिए कि ब्राह्मणवाद के लिए अपशब्द कहने वालों की सात पुस्ते काँप जाए।

अगर आज आप चुप रहे तो कल हिंदुत्व बचाने के चक्कर में ब्राह्मणो के बच्चे अल्पसंख्यक होंगे और गुलामी करते सड़को पर दिखेंगे। अब जो सक्षम लोग है , उन्हें अदालत में इस ब्रह्मणवाद शब्द के गलत इस्तेमाल और उससे आम ब्राह्मणों पर हो रहे हमलों को डॉक्यूमेंट करके केस फाइल करना चाहिए। इस शब्द के विषवमन के वजह से मध्यप्रदेश मे एक बुजुर्ग ब्राह्मण कि हत्या घटना अभी हाल में ही घटी है। एक असामाजिक तत्व जो ब्राह्मण था उसके एक आदिवासी पर शराब के नशे में पेशाब करने के बाद तात्कालिक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उसे घर बुलाकर पाँव पखारा था। आरोपी के घर पर बुलडोजर चलवाया था। मगर वहीं बुजुर्ग पुजारी कि जाति देखकर हुई हत्या पर एमपी सरकार का एक बयान तक नहीं आया। आखिर यह चुप्पी भाजपा की है या एक जातिवादी मुख्यमंत्री की..! समय आ गया है कि आप अब संसद सदन में प्रश्न पूछे कि गरीब ब्राह्मणो के उत्थान और ब्राह्मणवाद को गाली देने वालों के लिए सरकार ने क्या कदम उठाया..! सवर्ण आयोग का गठन क्यों नहीं हो सकता..!

यूपी में कुछ तो गंभीर जरूर है जो बीजेपी के दिग्गज संगठन नेताओं के बजाय खुद संघ प्रमुख को आना मैदान में आना पड़ा है। गंभीर न होता तो यूपी में दो उप मुख्यमंत्री भी न बनाने पड़ते तब। अब चुनाव के पूर्व वर्ष में जिस प्रकार ब्राह्मणों और राजपूत विधायकों की अलग अलग बैठकें हो रही हैं , वह चिंता का विषय है। पिछले लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने यूपी में बीजेपी से ज्यादा सीट लेकर मोदी के विजय रथ को रोका और एनडीए के सहयोगी दलों का मोहताज बना दिया। तब से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य अजीबो गरीब तेवर दिखा रहे हैं उनके तेवर क्यों नहीं कुचले जा रहे..! लगातार ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष देना क्या आपको नहीं चुभता..! बेशक केशव का कद उतना बड़ा नहीं है , जितना वे प्रदर्शित करते हैं। बड़ा होता तो पिछली बार वे खुद अपना चुनाव न हार जाते। हां उन्हें यह मलाल जरूर है कि यूपी के सीएम तो वे ही बनते , 2017 में योगी ने खंभा ठोक कर उनका खेल बिगाड़ दिया था। पंकज चौधरी जैसों को लाने से पहले भूपेंद्र चौधरी का हाल चाल लें लेते आप पहले पर अब देर हो चुकी है अमित शाह क्यूंकि इस बार आपकी आईटी सेल कमजोर है और ब्राह्मण अब आर ङ्क पार के मूड में है।

यूपी और बिहार ऐसे राज्य हैं जिन्हें मुलायम , मायावती और लालू की राजनीति ने बीमारू राज्य बना दिया था। यूपी में योगी और बिहार में नीतीश ने क्रमशः दोनों राज्यों की दशा सुधारी। दरअसल मोदी ने विराट हिन्दुत्व का कार्ड खेलकर जातपात की ऐसी हवा निकाली कि मायावती और लालू खत्म हो गए , कांग्रेस गले तक डूब गई और खुद को पिछड़े समाज का नेता समझने वाले केशव प्रसाद मौर्य और स्वामी प्रसाद मौर्य जैसे जातिवादी नेता बिलबिलाने लगे। जहाँ तक दूसरे उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक का सवाल है वे ब्राह्मणों की राजनीति जरूर करते हैं परन्तु उनका कद योगी को मात देने वाला कभी नहीं रहा। उनकी कहानी दूसरी है। उन्हें यह भी पता है कि उनके मुख्यमंत्री बनने का नंबर केशव प्रसाद के रहते तो नहीं आएगा। लेकिन बड़े प्रदेश में ब्राह्मण राजनीति के अगुआ वे बने रहना चाहते हैं। एक और खेमा यूपी के बीजेपी अध्यक्ष चला रहे हैं। यही वजह है कि भाजपा में जातीय राजनीति को फैलने से रोकने के लिए अब सर्वोच्च दिग्गज मोहन भागवत को स्वयं उतरना पड़ा है। यूपी में अगले साल चुनाव हैं जिन्हें न भागवत खोना चाहते हैं और न मोदी। वैसे बताते चलें कि मोदी ने जिस दिन नजरें घुमाई , किसी की जरूरत नहीं पड़ेगी।

भागवत की भी नहीं। मोदी की पहली पसंद योगी हैं , यह बात मौर्य ही नहीं , अमित शाह भी जानते हैं। यूपी की राजनीति देश पर प्रभाव डालती है, प्रधानमंत्री कुर्सी का रास्ता भी यूपी से होकर गुजरता है। 2029 में यदि संघ मोदी को चौथी बार पीएम बनाना चाहता हैं तो बीजेपी को यूपी जीतना ही होगा और बिना ब्राह्मणवाद यह संभव नहीं।

यूपी के लिए इसीलिए जरूरी हैं इस बार ब्राह्मणो के साथ मजबूती से आना। पक्ष-विपक्ष कहीं भी कोई ब्राह्मण नेता हो , जिसे अपनी पहचान कि समझ हो और अपने पुरुषार्थ से नेता बना हो। उसे अपने-अपने पार्टी फोरम मे ऐसे घटनाओं को उठाना चाहिए जो ब्राह्मणवाद पर प्रहार करता हो, चूंकि अभी ब्राह्मणों का मत सर्वाधिक भाजपा और नरेंद्र मोदी के साथ है , इसलिए यह अपेक्षा भाजपा नेताओं से अधिक है। धर्मेन्द्र प्रधान ने यूजीसी बिल की धूर्तता में अनचाहे ही ब्राह्मण समाज में लुप्त हो रही जातिगत भावना को झकझोर दिया है, तो भाजपा के ब्राह्मण नेताओं को समझना होगा कि समाज अब सिर्फ मोदी का नाम देखकर वोट नहीं देगा। उसकी अपेक्षा जो है उसकी पूर्ति होनी चाहिए। बाकी उपमुख्यमंत्री का धन्यवाद कि देर से ही सही उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ी और बतलाई कि शंकराचार्य के साथ हुए अन्याय में उनकी सहमति नहीं थी।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

ज्वैलरी-सैलरी से गैलरी तक की हैसियत

कुल सार यह है कि पहले लोग अपनी बरकत छिपाते थे, फिर अपनी हैसियत छिपाने लगे और अब अपनी हकीकत छिपा रहे हैं।एक वह दौर था जब घर की दादी-नानी अपनी सबसे कीमती पूंजी–सोने की चेन-झुमके और चांदी के सिक्के आदि चावल के डिब्बे या जमीन के नीचे गाड़कर रखती थीं। या फिर भारी-भरकम तिजोरी और तिजोरी के भीतर डिब्बा, डिब्बे के भीतर पोटली, पोटली के भीतर कोई पुराना कागज़ और कागज के भीतर गहने। उस समय सिक्योरिटी इंचार्ज घर की सबसे वरिष्ठ महिला हुआ करती क्योंकि उसकी साड़ी के पल्लू में तिजोरी व अलमारी की चाबी बंधी रहती थी। चोर अगर घर में घुस भी जाए तो आधा दिन तो उसे यही समझने में लग जाए कि असली माल है कहां।फिर आया सैलरी का युग। कितना कमा लेते हो–वाक्य सबसे बड़ा हमला लगता था। मिडल क्लास में गहनों की जगह सैलरी ने ले ली। ऑफिस के गलियारों से लेकर मोहल्ले की नुक्कड़ तक सैलरी एक ऐसा रहस्य बन गई जिसे छिपाना धर्म बन गया। दामाद की सैलरी और बहू की उम्र पूछना आज भी 'सर्जिकल स्ट्राइक' माना जाता है। यहां ताले अलमारियों पर नहीं, बल्कि पे-स्लिप और बैंक पासबुक पर लगने लगे।अब हम जी रहे हैं गैलरी युग में और पासवर्ड ही नया पहरेदार है। अब न गहनों की चिंता है क्योंकि वो बैंक लॉकर में हैं, न सैलरी की क्योंकि वो आते ही ईएमआई में कट जाती है। आज के दौर का सबसे बड़ा डर है- भाई! जरा अपना फोन देना, एक कॉल करनी है। जैसे ही फोन किसी और के हाथ में जाता है तो दिल की धड़कनें 'बुलेट ट्रेन की रफ्तार पकड़ लेती हैं। आज की गैलरी सिर्फ तस्वीरों का संग्रह नहीं, बल्कि यह इंसान का कच्चा चिट्ठा है। न जाने इसमें क्या-क्या कैद है। वो सेल्फीज़, जिन्हें देखकर खुद को भी शर्म आ जाए। वो मीम्स जो अगर घरवाले देख लें तो जायदाद से बेदखल कर दें। अब हमारे मोबाइल के अंदर पूरा एपस्टिन फाइल स्तर का खजाना है!

कानपुर डीएम ने अतिक्रमण, ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग और मंडी में नुकसान जैसे मुद्दों पर समयबद्ध कार्रवाई के दिए निर्देश

» निवेश मित्र के 12 लंबित प्रकरणों पर डीएम ने जतायी नाराजगी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिला उद्योग बंधु एवं जिला व्यापार बंधु की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि औद्योगिक और व्यापारिक क्षेत्रों की समस्याएं किसी भी स्थिति में लंबित नहीं रहनी चाहिए और प्रत्येक विभाग समयसीमा के भीतर जवाबदेही तय करे।

बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर समयसीमा के बाद लंबित 12 प्रकरणों की समीक्षा की गई। इनमें सबसे अधिक सात प्रकरण हाउसिंग विभाग के पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और संबंधित विभागाध्यक्ष को पत्र लिखकर विलंब के लिए उत्तरदायी कार्मिकों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। फूड सेफ्टी एंड ड्रग विभाग, यूपीसीडा, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा यूपीपीसीएल के लंबित मामलों को भी तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए गए।

औद्योगिक संगठनों आईआईए, फीटा, पीआईए और लघु उद्योग भारती ने एलएलआर तिराहे के पास अंडरपास की ग्रीन बेल्ट में दोबारा हो रहे अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। एनएचएआई द्वारा कार्रवाई की जानकारी दिए जाने के बावजूद पुनः कब्जे की शिकायत पर जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक एनएचएआई और थाना पनकी को संयुक्त अभियान चलाकर नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

व्यापार बंधु बैठक में गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन मार्ग पर बीच सड़क लगे ट्रांसफार्मर से अवरुद्ध आवागमन का मामला प्रमुखता से उठा। केस्को अधिकारियों ने स्थानांतरण में लगभग 10 लाख रुपये व्यय का अनुमान बताया। जिलाधिकारी ने धनराशि उपलब्ध कराने का आश्वासन देते हुए शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

विकासनगर मार्केट में शौचालय निर्माण की लंबित मांग पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट समयसीमा तय करते हुए 28 मार्च तक कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। डीएम ने नाराजगी जताई कि 3.92 लाख रुपये की लागत से होने वाला शौचालय निर्माण अगस्त 2025 में निर्देशित किये जाने के बावजूद अभी तक नहीं बन सका है।उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उद्योग बंधु एवं व्यापार बन्धु की बैठक में नगर निगम क्षेत्रांतर्गत स्टाम्प शुल्क के सापेक्ष अवस्थापना विकास के लिए प्राप्त होने वाली धनराशि से नगर निगम द्वारा प्रस्तावित योजनाओं लगभग 119.05 करोड़ रुपये लागत की 19 परियोजनाओं पर उद्यमियों ने सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि कई कार्य तत्काल जनहित की प्राथमिकता में नहीं आते और सौंदर्यीकरण के नाम पर अनावश्यक व्यय प्रतीत होते हैं। प्रस्तावों में पनकी में सांस्कृतिक थीम पार्क (4 करोड़), काकादेव में मेडिटेशन पार्क (1.50 करोड़), झांसी रानी पार्क में सेंसरी पार्क (1.20 करोड़), फूलबाग में गो-कार्टिंग ट्रैक (5.90 करोड़), प्रवेश द्वार व सौंदर्यीकरण (20 करोड़), नाला कवरिंग (12 करोड़) जैसे कार्य शामिल हैं। अन्य मदों सहित कुल प्रस्तावित व्यय 119 करोड़ रुपये से अधिक है। उद्यमियों ने सुझाव दिया कि उपलब्ध धनराशि को सड़क, जलनिकासी, प्रमुख बाजारों में शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और औद्योगिक आधारभूत ढांचे पर प्राथमिकता से खर्च किया जाए।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है, जो प्रत्येक परियोजना की आवश्यकता और उपयोगिता की समीक्षा करेगी। समिति की संस्तुति के आधार पर ही आगे निर्णय लिया जाएगा।

नौबस्ता गल्ला मंडी में चूहों के कारण प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ रुपये से अधिक के अनाज नुकसान का मुद्दा उठने पर जिलाधिकारी ने मंडी सचिव को तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। व्यापारियों को आर्थिक क्षति से बचाने के लिए ठोस व्यवस्था करने को कहा गया।

झकरकटी बस अड्डे के सामने क्षतिग्रस्त सड़क के कारण जाम की समस्या पर भी संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए

, जिससे पुल पर बसों के खड़े होने से उत्पन्न अव्यवस्था समाप्त हो सके।

बैठक में डीसीपी ट्रैफिक रविंद्र कुमार, प्रभारी अपर जिलाधिकारी नगर आलोक कुमार गुप्ता, उपायुक्त उद्योग अंजनीश प्रताप सिंह, उपायुक्त जीएसटी अफसर हुसैन, विजय पंडित, उमंग अग्रवाल, शेषनारायण द्विवेदी, कपिल सब्बरवाल, बृजेश शुक्ला, उपेंद्र जायसवाल समेत व्यापारी एवं उद्यमी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पीएचसी उत्तरीपुरा का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, 7 कर्मचारियों में केवल 3 ही ड्यूटी पर मिले उपस्थित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने अपराह्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उत्तरीपुरा का औचक निरीक्षण किया तो व्यवस्थाओं में गंभीर लापरवाही सामने आई। सात कर्मचारियों में से केवल तीन ही ड्यूटी पर उपस्थित मिले।

अनुपस्थित पाए जाने पर डॉ. प्रीति सचान (मेडिकल ऑफिसर), रामानुज (वार्ड बॉय) और कु. ज्योति (स्टाफ नर्स) का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। वहीं चीफ फार्मासिस्ट अशोक श्रीवास्तव का अवकाश आवेदन पत्र उपलब्ध तो था, लेकिन उसे न तो विधिवत दर्ज किया गया था और न ही स्वीकृत किया गया था। इसे अनियमितता मानते हुए उनका भी एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान ओपीडी रजिस्टर शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप नहीं पाया गया। नियमानुसार मरीज के नाम के साथ मोबाइल नंबर दर्ज किया जाना अनिवार्य है, लेकिन यह प्रविष्टियां नहीं की जा रही थीं। मौके पर उपस्थित आयुष चिकित्सक डॉ. सरिता कटियार निर्धारित रजिस्टर के स्थान पर अन्य रजिस्टर का उपयोग कर रही थीं, जिसमें मरीजों के मोबाइल नंबर अंकित नहीं थे। इस पर उनका स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए गए।स्वास्थ्य केंद्र में बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली संचालित नहीं पाई गई और परिसर व कक्षों में साफ-सफाई की स्थिति भी खराब मिली। जिलाधिकारी ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए फटकार लगाई तत्काल सुधार के निर्देश दिए।पीएचसी के पर्यवेक्षण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी सवालों में रही। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्हौर के एमओआईसी तथा प्रभारी एसीएमओ द्वारा नियमित निगरानी न किए जाने पर दोनों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि जनपद के सभी स्वास्थ्य केंद्रों की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए तथा एमओआईसी स्तर पर जवाबदेही तय कर व्यवस्थाओं में सुधार कराया जाए।

एस आई आर को लेकर एक विशेष हेल्प डेस्क का आयोजन किदवई नगर में किया गया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बाबा नामदेव हाल किदवई नगर में एस आई आर को लेकर एक विशेष हेल्प डेस्क का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रकाश पाल भाजपा बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष उपस्थित हुए हेल्प डेस्क पर 18 साल से ऊपर के जो मतदाता वोटर बनने से वंचित रह गए हैं उनके लिए फार्म 6 उपलब्ध कराया गया। उनके संबंधित कागजात पूर्ण करने को कहा वोटर बनाने का 16 फरवरी से 6 मार्च तक लगातार सुबह 11:00 बजे से 3:00 तक हेल्प डेस्क में कार्य किया जाएगा।विशेष रूप से बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। अनूप अवस्थी मीडिया प्रभारी भारतीय जनता पार्टी द्वारा एस आई आर से होने वाली कठिनाइयां के निराकरण के लिए उपाय बताए गए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा विशेष रूप से यह अभियान के किदवई नगर मंडल में चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में पंकज द्विवेदी, सरदार नीतू सिंह, गुरविंदर सिंह वासु, अशोक अरोड़ा, श्री चंद असरानी, नयन गुप्ता, हर्ष ठाकुर, हर्ष दुबे, रजत सिंह आदि उपस्थिति रहे।

कानपुर डीएम ने कैलाश नाथ बालिका इंटर कॉलेज, परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम, स्ट्रांग रूम तथा विभिन्न परीक्षा कक्षों का गहन अवलोकन किया। मौके पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित पाए गए।

जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी परीक्षाओं में से एक बोर्ड परीक्षा आज से प्रारंभ हुई है। कानपुर नगर जनपद में कुल 124 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें राजकीय, सहायता प्राप्त तथा अच्छी छवि वाले वित्तविहीन विद्यालय शामिल हैं। प्रथम पाली की परीक्षा 18 फरवरी की प्रातः शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो रही है।

उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानकों जैसे स्ट्रांग रूम की सुरक्षा, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता तथा परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं अनुकूल परीक्षा वातावरण मिल सके।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि परीक्षाओं के दौरान छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए शांत वातावरण की आवश्यकता होती है। अतः सभी धार्मिक स्थलों, मैरिज लॉन तथा अन्य स्थानों पर लाउडस्पीकर की आवाज निर्धारित सीमा के भीतर ही रखी जाए। उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा भी निर्देश दिए गए हैं कि ध्वनि परिसर से बाहर न जाए। यदि किसी भी स्थान से अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है, तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मलिन बस्तियों की दयनीय स्थिति के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन/नगर आयुक्त को दिया ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस के तत्वाधान में अध्यक्ष पवन गुप्ता और एआईसीसी सदस्य महिला कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा अटल पाल के नेतृत्व में जे के मंदिर के पास राजपुरवा और डीबीएस कॉलेज मलिन बस्ती में लोगों की दयनीय स्थिति के विरोध में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और फिर नगर आयुक्त को ज्ञापन दिया।

महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि जलभराव, बंद नाले, पानी के निकासी की समस्या, कूड़े के ढेर,टूटी सड़कें के कारण मलिन बस्तियों के लोग त्राहि त्राहि कर रहे हैं। प्रतिभा अटल पाल ने कहा कि बच्चे बुजुर्ग बीमार हो रहे हैं।

यहां तक कि मरने और शादी तक में भयावह स्थिति के कारण लोग परेशान होते हैं। जल भराव के कारण घर के बाहर निकलना दूभर हो गया है बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। अध्यक्ष पवन गुप्ता और प्रतिभा अटल पाल ने मांग करी कि तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप कर बस्तियों में रहने वालों को न्याय दिलवाएं। काफी संख्या में कांग्रेसजन और बस्ती के लोग मौजूद रहे। कांग्रेसजनों ने जमकर नारेबाजी की।महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता, प्रतिभा अटल पाल, सैमुअल लकी सिंह, पदम मोहन मिश्रा, धर्मेंद्र चौहान, राकेश साहू, विनोद अवस्थी, अजय श्रीवास्तव शीलू, आफताब हसन, विवेक पाल, चमन खन्ना, रामपाल नागवंशी, रोहित मिश्रा, रजत मिश्रा, चंदा कृष्ण, भारती, माया , गुड़िया, रचना, अंजू आदि थे।

किसी भी कीमत पर मिलावटी खोया बाजार में न बिके: सहायक आयुक्त (खाद्य)।।

» हटिया खोआ मंडी के समस्त व्यापारियों/आढ़तियों के साथ खाद्य विभाग अधिकारियों ने किया जनजागरूकता कार्यक्रम

» व्यापारियों से विभाग को मिलावटी खोआ बनाने व बेचने वाले की जानकारी देने के लिए कहा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगामी त्योहारों में आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य / पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के दृष्टिगत सहायक आयुक्त (खाद्य)।। संजय प्रताप सिंह कानपुर नगर की अध्यक्षता में हटिया खोआ मंडी कानपुर नगर मे खोआ मंडी के समस्त व्यापारियों/आढ़तियों के साथ जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य बिंदु जनपद में मिलावटी खोआ का विक्रय/वितरण /भण्डारण /निर्माण को रोका जाना है। उक्त के क्रम में व्यापारियों को निर्देशित किया गया। कि वे मिलावटी खोआ निर्माता से खोआ वास्ते विक्रय ना खरीदे एवं मिलावट की कड़ी को रोकने के लिए मिलावटी खोआ निर्माता की जानकारी भी विभाग को देने के लिए खोआ आढ़तियों को निर्देशित किया गया।

बैठक के दौरान व्यापारियों ने खोआ व्यापार मंडल सहमति से विजातीय वसा की जाँच हेतु ब्यूटीरो रीडिंग मशीन क्रय करके बाह्य वसा का पता लगा कर मिलावट को रोकने की एक नई पहल हटिया खोआ व्यापार मंडल ने किया, खोया व्यापार मंडल ने आश्वस्त किया कि उनके द्वारा शीघ्र ही ब्यूटारोरिफरेक्टोमीटर की स्थापना व्यापार मंडल के कार्यालय में की जायेगी। जिससे कोई भी खोया निर्माता कानपुर खोया मंडी में विजातीय वसा युक्त खोया न भेज सके। बैठक में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी के साथ साथ खोआ व्यापार मंडल के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डिग्री रैकेट का भंडाफोड, पकड़ा गया गिरोह बनाकर बेचता था फर्जी डिग्री और मार्कशीट

कानपुर। शिक्षा के नाम पर एक बड़ा फर्जीवाड़ा चल रहा था, किदवाई नगर में पुलिस ने एक ऐसे गिरोह को पकड़ा जो फर्जी डिग्री और मार्कशीट बनाकर बेचता था। मामले में पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में ये भी सामने आया कि ये गिरोह सिर्फ कानपुर तक सीमित नहीं था, बल्कि 9 राज्यों में सक्रिय था और खुलेआम ये नेटवर्क चल रहा था। ये आरोपियों देश के 14 विश्वविद्यालयों के नाम पर फर्जी मार्कशीट, डिग्री, प्रोविजनल सर्टिफिकेट और माइग्रेशन सर्टिफिकेट तैयार किया करते थे।इसके साथ ही ये गिरोह यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की मार्कशीट भी हूबहू असली जैसी बनाकर बेचता था। दस्तावेजों में नकली मोहर, फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर और प्रिंटिंग तकनीक का इस्तेमाल तक किया जाता था, जिससे वे डिग्री पूरी तरह से असली लगती थी।आरोपियों ने किदवई नगर में 'शैल ग्रुप ऑफ एजुकेशन' नाम से एक ऑफिस खोल रखा था। यहीं से पूरा ऑपरेशन चलाया जा रहा था। वे युवाओं से मोटी रकम लेकर बिना परीक्षा दिए डिग्री उपलब्ध कराते थे। दस्तावेजों में नकली मोहर, फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर और स्पेशल प्रिंटिंग का इस्तेमाल किया जाता था, जिससे वे बिल्कुल असली लगते थे। जांच में पता चला कि गिरोह ने अब तक कई लोगों को फर्जी प्रमाणपत्र दिए हैं। इससे लाखों रुपये की कमाई की गई है।पुलिस अब उन लोगों की लिस्ट बना रही है, जिन्होंने ये फर्जी डिग्री ली हैं। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि इस केस में और बड़े खुलासे हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है और पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। ऐसे रैकेट से निपटने के लिए विश्वविद्यालयों को डिजिटल वेरिफिकेशन सिस्टम मजबूत करना चाहिए। साथ ही, युवाओं को जागरूक रहना चाहिए और असली संस्थानों से ही शिक्षा लेनी चाहिए।

कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत

अनुशासित एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भाजपा चलाएगी प्रशिक्षण महाअभियान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत, अनुशासित एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 7 मार्च से 13 अप्रैल तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान चलाएगी। इस महाअभियान के अंतर्गत जिला व मंडल स्तर पर व्यापक प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा क्षेत्रीय मुख्यालय में आयोजित दक्षिण एवं ग्रामीण जिले की जिला कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष, विधायक एवं जिला प्रभारी पंकज सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को तराशने की सतत प्रक्रिया है। जो सीखता है वही आगे बढ़ता है। यह महाअभियान कार्यकर्ताओं को विचार, व्यवहार और नेतृत्व–तीनों स्तरों पर समृद्ध करेगा।उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन ही भाजपा की कार्य संस्कृति की आधारशिला है। प्रशिक्षण केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और वैचारिक मजबूती की प्रक्रिया है। यह अभियान भाजपा को बूथ स्तर तक और अधिक संगठित, सक्रिय और प्रभावी बनाएगा।इस अवसर पर पंकज सिंह ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने आज़ादी के बाद कांग्रेस को समाप्त करने की बात कही थी, जिसे उस समय के नेताओं ने नहीं माना, लेकिन आज राहुल गांधी स्वयं उस विचार को व्यवहार में उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल केवल चुनाव के समय सक्रिय होते हैं, जबकि भाजपा कार्यकर्ता एक चुनाव समाप्त होते ही अगले चुनाव की तैयारी में जुट जाते हैं। भाजपा सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश और समाज निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि यह प्रशिक्षण अभियान कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त, अनुशासित और सेवा भाव से ओत-प्रोत बनाने का सशक्त माध्यम है। प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं की क्षमता, दक्षता और वैचारिक स्पष्टता में वृद्धि होती है। यह महाअभियान संगठन की मजबूती, विस्तार और अंत्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह एवं ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेन्द्र पासवान ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रशिक्षण से संगठन और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं, बल्कि कार्यकर्ता निर्माण की सतत और दीर्घकालिक प्रक्रिया है।

कार्यशाला में प्रमुख रूप से राधेश्याम पाण्डेय, वेदव्रत सचान, पूनम द्विवेदी, स्वप्निल वरुण, कौशल किशोर दीक्षित, विनोद शुक्ला, रामदेव शुक्ला, रघुनंदन भदौरिया, प्रकाश वीर आर्य, मनीष त्रिपाठी,भूपेंद्र त्रिपाठी, राम बहादुर यादव, अनिरुद्ध शुक्ला, समरजीत सिंह एवं अंशुल बाजपेई ,राजेश श्रीवास्तव,सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक और बच्ची की मौत के बाद सील किया गया निजी अस्पताल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर जिले में अवैध व बिना मानक के संचालित निजी अस्पतालों पर एक तरफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा नोटिस-नोटिस का खेल खेला जा रहा था, उधर चौबेपुर में प्रकाश नर्सिंग होम में तीन बेड डालकर संचालित किए जा रहे अस्पताल में एक और बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की मौत होने पर परिजनों ने कार्रवाई की मांग के लिए हंगामा किया, तब जाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम गुरुवार को मौके पर पहुंची और प्रकाश नर्सिंग होम पर सील की कार्रवाई की।

बिठूर के राजा हॉस्पिटल के एनआईसीयू में वार्मर मशीन में जलकर नवजात बच्ची की मौत होने की बात अभी तक लोग भुला भी नहीं सके थे, कि चौबेपुर के प्रकाश हास्पिटल में एक और बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के पिता का आरोप है कि डॉक्टरों की लापरवाही और गलत इंजेक्शन लगाने की वजह से बच्ची की मौत हुई है। नर्सिंग होम पर कार्रवाई हो, इसलिए उन्होंने नर्सिंग होम के बाहर शव रखकर हंगामा किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएचसी प्रभारी यशवर्धन सिंह मौके पर पहुंचे और कई बिंदुओं की जांच की। पीड़ित परिवार को हर संभव कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने मौके पर नेहा मेडिकल स्टोर को सील करने का आदेश दिया। गुरुवार को सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी के निर्देश पर नोडल अधिकारी व एसीएमओ डॉ. रमित रस्तोगी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

सनातन वैवाहिक बंधन के तत्वावधान में आयोजित हुआ सामूहिक विवाह

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सनातन वैवाहिक बंधन के तत्वावधान में आज दो कन्याओं का विवाह जिसमें तान्या संग कुलदीप एवं काजल संग अल्केश का निशुल्क विवाह एवं 51 बटुकों का सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार सनातन वैवाहिक बंधन मुख्यालय श्री संकट मोचन विजय हनुमान एवं दुर्गा मंदिर, हनुमत गुरुकुल आश्रम किदवई नगर में आयोजित किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र चौहान के मार्गदर्शन में यह संदेश दिया गया कि सादगीपूर्ण और कुरीति मुक्त विवाह ही वास्तविक सनातन परंपरा है। बिना किसी दिखावे और बिना दान-दहेज के, मर्यादा के साथ दोनों कन्याओं का पाणिग्रहण संस्कार वैदिक रीति से कराया गया। आयोजक वीरेन्द्र चौहान ने बताया कि विगत वर्षों से निरंतर संगठन के द्वारा समाज के उत्थान की दिशा में विभिन्न कार्यक्रम समय समय पर आयोजित किए जाते हैं।

संगठन के द्वारा निर्धन निर्बल समाज को शिक्षा चिकित्सा सहित अन्य सेवाएं जिसमें दवाएं वस्त्र तथा सर्व समाज की बेटियों का विवाह कराया जाता है। महिला मंडल संरक्षक डॉ सुषमा सिंह सेगर एवं महिला मंडल अध्यक्ष नीलम चौहान ने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली समझती है कि जिन्हें वह जानती नहीं उनका विवाह वह कराकर घर बसाने का कार्य कर रही है। महिला मंडल अध्यक्ष नीलम चौहान और महामंत्री रेनू शुक्ला के नेतृत्व में बहनों ने बारातियों का द्वार-चार, पुष्प वर्षा और तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया। मंगल गीतों और उत्साहपूर्ण नृत्य के बीच तिलक और फेरों की रस्में संपन्न हुईं।

महिला मंडल की ओर से सोनी मुकुंद गुप्ता मधु मिश्रा शालिनी अवस्थी शालिनी गुप्ता और अन्य सदस्यों ने नव-दंपतियों को उपहार स्वरूप साड़ियाँ बर्तन वस्त्र और नकद मुद्राएं भेंट कीं। नम आंखों से बेटियों को विदाई करते सभी की आंखें नम हो उठी।

इस दौरान मुख्य रूप से आयोजक वीरेंद्र चौहान महिला मंडल संरक्षक डॉ सुषमा सिंह सेगर महिला मंडल अध्यक्ष नीलम चौहान महामंत्री रेनू शुक्ला आचार्य मंडल में पंडित विमल शास्त्री आचार्य अरुण तिवारी पंडित गंगाराम पंडित दीपक पंडित ज्ञानेंद्र मिश्रा और पंडित मुकेश द्विवेदी ने विधि-विधान से बटुकों को संस्कारित किया। आयोजन को सफल बनाने में संरक्षक डॉ सुषमा सिंह अनूप तिवारी और आचार्य मुकेश द्विवेदी के साथ राजकुमार सिंह मुकुंद गुप्ता विशाल त्रिपाठी, अमित राठौर पुनीत मयंक गुप्ता और अमित मिश्रा ने सक्रिय भूमिका निभाई रानी गुप्ता अर्चना राठौर, कंचन सक्सेना संतोषी गुप्ता विनीता ओमकार अपर्णा अंजू द्विवेदी लक्ष्मी द्विवेदी पिंकी तिवारी सुषमा सिंह मंजू पाल आशा सिंह सीमा त्रिपाठी मनीष मिश्रा और रंजना अवस्थी सहित दर्जनों महिला सदस्यों ने पुनीत कार्य में सहयोग किया।

कानपुर: रोजगार मेले में 1143 युवाओं की चमकी किस्मत

» डी.बी.एस. कॉलेज में 3189 अभ्यर्थियों ने कराया पंजीकरण, 25 कंपनियों ने दिया अवसर

» 93 छात्र-छात्राओं को मौके पर ही मिले नियुक्ति पत्र, 40 हजार रुपए तक के पैकेज पर हुआ चयन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। योगी सरकार के ÷उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन÷ के अंतर्गत प्रदेश के हर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की मुहिम अब जमीन पर रंग ला रही है। इसी कड़ी में शनिवार को सेवायोजन कार्यालय, कानपुर और डी.बी.एस. कॉलेज, गोविंद नगर ने

मिलकर एक दिवसीय रोजगार मेले का सफल आयोजन किया। कॉलेज परिसर में आयोजित इस मेले का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि गौरवेन्दु स्वरूप (सचिव, डी.बी.एस. कॉलेज) और अनंता स्वरूप (संयुक्त सचिव, डी.बी.एस. कॉलेज) ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कौशल से खुलेगा सफलता का द्वार

कार्यक्रम के दौरान संयुक्त सचिव अनंता स्वरूप ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपने कौशल को निखारने के लिए प्रेरित किया। वहीं, सहायक निदेशक (सेवायोजन) उज्जवल कुमार सिंह ने योगी सरकार के सेवायोजन पोर्टल की उपयोगिता और आउटसोर्सिंग भर्ती प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकारी प्रयासों और कॉलेजों के सहयोग से लगने वाले ये मेले युवाओं को एक ही छत के नीचे करियर के बड़े अवसर प्रदान कर रहे हैं।

इन दिग्गज कंपनियों ने की नियुक्तियां

होटल एवं सर्विसेज- द लैण्डमार्क होटल, सैफॉयर फुड्स (के0एफ0सी0), स्वीगी, जोमैटो।

बैंकिंग एवं फाइनेंस- श्रीराम फाइनेंस ग्रुप, एस.बी.आई. लाइफ इंश्योरेंस, सेंट्रल बैंक ऑफ जनरल लाइफ इंश्योरेंस।

आईटी एवं टेक- पेटीएम, हिटाची कैश मैनेजमेंट, एडु वांटेज प्रा0लि0।

अन्य- राजरतन साड़ीज, अशोक मसाला और दि इण्डिया थर्मिट कार्पोरेशन।

आंकड़ों में मेले की सफलता

कुल प्रतिभागी- मेले में कुल 3189 छात्र-छात्राओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

चयनित अभ्यथी- शैक्षिक योग्यता और साक्षात्कार के आधार पर कुल 1143 युवाओं को शॉर्टलिस्ट या चयनित किया गया।

वेतनमान- चयनित युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार 10,000 से लेकर 40,000 रुपए प्रति माह तक के वेतन पर नौकरी के अवसर मिले हैं।

ऑन-स्पॉट जॉइनिंग-कार्यक्रम के दौरान ही 93 भाग्यशाली छात्र-छात्राओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

भविष्य में भी जारी रहेंगे ऐसे प्रयास

डीबीएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार मिश्रा ने सभी अतिथियों और कंपनियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप भविष्य में भी ऐसे मेलों का आयोजन होता रहेगा, ताकि कानपुर के युवाओं को रोजगार के लिए भटकना न पड़े। मेले के सफल संचालन में डॉ. अनीता निगम और डॉ. अनुपम दुबे के साथ-साथ एन.सी.सी., एन.एस.एस. और रेंजर्स रोवर्स के कैडेट्स का विशेष योगदान रहा।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा होली पर्व के दृष्टिगत जनपद कानपुर नगर में चलाया गया विशेष अभियान

» टीम द्वारा 13,972 लीटर खाद्य तेल एवं 1,350 किग्रा रंगीन कचरी की गयी जब्त

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगामी होली पर्व के दृष्टिगत जनपद में खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, कानपुर नगर की टीमों द्वारा विशेष छापेमारी एवं जांच अभियान चलाया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि त्योहारों के दौरान मिलावटखोरी एवं नकली खाद्य पदार्थों के निर्माण/बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने के लिए जनपद में निरंतर अभियान चलाया जा रहा है तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।अभियान के दौरान कुल 13,972 लीटर खाद्य तेल, जिसकी अनुमानित कीमत 18,15,110/- है, का नमूना संग्रहण करने के उपरांत उसे जब्त किया गया।इसी क्रम में तिवारीपुर, जाजमऊ स्थित एक कचरी निर्माण स्थल पर छापेमारी की गई, जहां से लगभग 1350 किलोग्राम रंगीन कचरी, जिसकी अनुमानित कीमत ?87,750/- है, बरामद हुई। कचरी में अत्यधिक मात्रा में कृत्रिम रंग पाए जाने के दृष्टिगत नमूना संग्रहण के उपरांत उक्त सामग्री को जब्त कर लिया गया।

इसके अतिरिक्त आवास-विकास-3, कल्याणपुर क्षेत्र में नकली खाद्य पदार्थों के निर्माण की सूचना पर टीम द्वारा छापा मारा गया, जहां कार्यवाही जारी है। मौके पर रिफाइंड ऑयल, वनस्पति तथा एसेंस का उपयोग कर संदिग्ध खाद्य पदार्थों घी का निर्माण किया जा रहा था। वहां पर नमूना संग्रहण एवं जब्ती की कार्यवाही जारी है।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा संबंधित नमूनों को परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। मिलावटखोरी एवं नकली खाद्य पदार्थों के निर्माण में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।जनसामान्य से अपील है कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थ खरीदते समय गुणवत्ता एवं शुद्धता का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पुलिस लाइन में निर्माणाधीन आवासीय भवन में नहीं मिली पार्किंग, जिलाधिकारी ने दिये निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को पुलिस लाइन, रेल बाजार स्थित पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों के लिए निर्माणाधीन आवासीय परियोजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि मूल परियोजना में पार्किंग व्यवस्था शामिल नहीं है, इसपर जिलाधिकारी ने पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश दिये। शनिवार को जिलाधिकारी पुलिस लाइन पहुंचे और यहां परियोजना के अंतर्गत 32.09 करोड़ की लागत से टाइप-5 के 08 तथा टाइप-4 के 40 फ्लैट का चल रहा निर्माण कार्य देखा।

जिलाधिकारी ने परियोजना प्रबंधक को निर्देशित किया कि आवासों में रहने वाले अधिकारियों की संख्या को देखते हुए पार्किंग की समुचित व्यवस्था का प्रस्ताव तैयार कर उच्चाधिकारियों को प्रेषित किया जाए। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) सत्यजीत गुप्ता, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अनूप मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। ये कार्य उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है।निरीक्षण के दौरान परियोजना प्रबंधक सत्यप्रिय ने बताया कि 32.09 करोड़ रुपये की लागत से यह कार्य 01 सितंबर 2025 से प्रारंभ हुआ है तथा 28 फरवरी 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। आवासों के अतिरिक्त 02 गार्ड रूम, इंटरलॉकिंग रोड, बाउंड्रीवाल एवं गेट, स्ट्रीट लाइट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, ओवरहेड टैंक, लिफ्ट तथा डीजी सेट का निर्माण भी प्रस्तावित है। वर्तमान में विभिन्न ब्लॉकों में फाउंडेशन खुदाई, राफ्ट निर्माण, कॉलम पेडेस्टल कास्टिंग तथा स्टील कार्य चल रहा है।

कानपुर नगर में शासकीय अधिवक्ताओं के रिक्त पदों हेतु आवेदन आमंत्रित हैं : जिलाधिकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने अवगत कराया है कि शासन के निर्देशों के अनुपालन में विधि परामर्शी निर्देशिका के प्रस्तर 7.03 में निहित प्रावधानों के अनुसार जनपद में शासकीय अधिवक्ताओं के रिक्त पदों के सापेक्ष पैनल गठित कर शासन को प्रेषित किए जाने हेतु निर्धारित प्रारूप ÷क÷ एवं ÷ख÷ पर आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं।जनपद में जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) का एक पद तथा सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के चौदह पद रिक्त हैं। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप पर सत्यापित प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियों सहित अपने आवेदन पत्र चार प्रतियों में दिनांक 03 मार्च 2026 को सायं 5 बजे तक न्याय सहायक कलेक्ट्रेट, कानपुर नगर तथा राजस्व सहायक कलेक्ट्रेट, कानपुर नगर के पटल पर अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें। निर्धारित तिथि एवं समय के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिला शासकीय अधिवक्ता के पद हेतु न्यूनतम दस वर्ष तथा सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता के पद हेतु न्यूनतम सात वर्ष का विधि व्यवसाय का अनुभव अनिवार्य है। समीपवर्ती जिलों के शासकीय अधिवक्ता एवं अधिवक्ता भी संबंधित जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से अपेक्षित विवरण प्रेषित कर सकते हैं। सभी शासकीय अधिवक्ताओं के लिए अधिकतम आयु सीमा 60 वर्ष निर्धारित है।जो अभ्यर्थी वर्तमान में किसी सरकारी अथवा गैर-सरकारी, वैतनिक या अवैतनिक पद पर कार्यरत हैं अथवा किसी विधि महाविद्यालय में पूर्णकालिक या अंशकालिक प्रवक्ता, शपथ आयुक्त, नोटरी, विवाह अधिकारी, एमीकस क्यूरी आदि पद धारण करते हैं, उन्हें नियुक्ति के उपरांत संबंधित पद से त्यागपत्र देना अनिवार्य होगा। तथ्य छिपाए जाने की स्थिति में नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी। नियुक्त अधिवक्ताओं को शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का अनुपालन करना होगा तथा शासन द्वारा अनुमन्य शुल्क देय होगा। नियुक्ति अथवा आबद्ध किए जाने का अंतिम अधिकार शासन के पास सुरक्षित रहेगा तथा बिना कारण बताए आबद्धता समाप्त की जा सकेगी।आवेदन पत्र के साथ अभ्यर्थी को अपना नाम, आयु प्रमाण पत्र के रूप में हाईस्कूल की प्रमाणित छायाप्रति, बार में पंजीकरण एवं विधि व्यवसाय की अवधि का विवरण, हिन्दी भाषा का ज्ञान, गत तीन वर्षों के आयकर रिटर्न अथवा असेसमेंट आदेश की प्रति तथा यदि आयकर देय न हो तो आयकर विवरणी की प्रति संलग्न करनी होगी। साथ ही गत दो वर्षों में किए गए विधि कार्यों का न्यायालय द्वारा सत्यापित विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा,

जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि अभ्यर्थी ने फौजदारी, दीवानी अथवा राजस्व संबंधी मामलों में कार्य किया है। संबंधित पद के अनुरूप न्यूनतम दो वर्ष का न्यायालय से सत्यापित अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न करना भी आवश्यक होगा।आवेदन पत्र में अंकित समस्त विवरणों की पुष्टि हेतु अपेक्षित प्रमाण पत्र संलग्न किए जाने आवश्यक हैं। यदि आवेदन प्रारूप में कोई आवश्यक विवरण छूट गया हो तो उसे विशेष उल्लेख के रूप में दर्शाया जाए।

4वें दिन व्यास द्वारा श्रीमद् भागवत पुराण कथा में राजा उत्तानपाद की सुनाई गयी कथा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पटकापुर स्वच्छता समिति कानपुर द्वारा श्रीमद् भागवत पुराण कथा 18 फरवरी 2026 से 24 फरवरी 2026 तक कराई जा रही है। जिसका शुभारंभ 18 फरवरी को स्थानीय तपेश्वरी मंदिर बिरहाना रोड से कथा की कलश यात्रा के रूप में प्रारंभ हुई थी। क्षेत्रीय महिलाओं द्वारा सर पर कलश रख हाथ में ध्वज लेकर पैदल यात्रा करते हुवे कथा स्थल तक नाचते गाते पहुंची थी। उसके बाद विधि विधान से पोथी पूजन कर कथा का शुभारंभ ज्योतिषाचार्य कथा वाचिका सुश्री शिवप्रिया अयोध्या वासी के द्वारा किया गया था । आज कथा के 4वें दिन कथा वाचिका द्वारा क्षेत्र वासियों को राजा उत्तानपाद की कथा सुनाई।राजा उत्तानपाद, स्वयंभुव मनु के पुत्र और भगवान विष्णु के परम भक्त बालक ध्रुव के पिता थे। दो पत्नियों—सुरुचि (प्रिय) और सुनीति (अप्रिय)—के कारण उत्पन्न भेदभाव ने ध्रुव को अपमानित किया, जिससे ध्रुव ने भगवान विष्णु की कठोर तपस्या कर अचल स्थान (ध्रुव तारा) प्राप्त किया।

दो रानियां और भेदभाव- राजा उत्तानपाद की पहली पत्नी सुनीति (ध्रुव की माता) और दूसरी सुरुचि (उत्तम की माता) थीं। राजा सुरुचि से अधिक प्रेम करते थे, जिससे सुनीति और ध्रुव उपेक्षित रहते थे।अपमानजनक घटना- एक दिन ध्रुव को पिता की गोद में बैठा देख, सौतेली माँ सुरुचि ने उसे अपमानित करते हुए कहा कि राजा की गोद में बैठने के लिए उसे पहले सुरुचि की कोख से जन्म लेना होगा।तपस्या और ध्रुव तारा- इस घटना से व्यथित ध्रुव ने घर छोड़ दिया और वन में जाकर नारद जी की सलाह पर भगवान विष्णु की कठोर तपस्या की। विष्णु जी प्रसन्न हुए और ध्रुव को अचल (ध्रुव तारा) पद प्रदान किया।राजा का पछतावा- जब ध्रुव वापस लौटा, तो राजा उत्तानपाद को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने ध्रुव को गले लगाकर राजपाठ सौंप दिया।

इस अवसर पर समिति के सभी पदाधिकारी और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी क्षेत्रवासियों द्वारा बढ़-चढ़ कर श्रीमद् भागवत पुराण कथा आयोजन में अपनी सहभागिता प्रदर्शित की।

सिविल लाइंस, कोपरगंज व चुन्नीगंज स्थित 11 भूखंडों पर बड़ी कार्रवाई सूचनापट्ट लगाकर किया कब्जा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर के प्रमुख शहरी क्षेत्रों में स्थित लगभग 11.26 हेक्टेयर बहुमूल्य नजूल भूमि पर प्रशासन ने निर्णायक कार्रवाई करते हुए पुनर्प्रवेश कर कब्जा ले लिया। यह भूमि ऐतिहासिक ब्रिटिश इंडिया कॉर्पोरेशन (बीआईसी) की मिल परिसंपत्तियों से संबंधित है और सिविल लाइंस, कूपरगंज व चुन्नीगंज क्षेत्र में स्थित 11 भूखंडों में फैली हुई है। इस भूमि का प्रयोग विभिन्न सरकारी परियोजनाओं में किया जाएगा।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर अनुभव सिंह व तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी के नेतृत्व में राजस्व एवं नजूल विभाग की संयुक्त टीम ने ब्लॉक संख्या 9, 11, 13 एवं 82-85 में स्थित इन भूखंडों पर मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। प्रत्येक भूखंड पर सरकारी संपत्ति/नजूल भूमि होने का सूचनापट्ट स्थापित किया गया और विधिवत कब्जा हस्तगत कर लिया गया।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इन 11 संपत्तियों की पट्टा अवधि समाप्त हो चुकी थी। न तो लिक्विडेटर नियुक्त था, न फ्री-होल्ड कराने हेतु कोई धनराशि जमा की गई थी और न ही पट्टावधि विस्तार के लिए कोई वैध आवेदन नजूल अनुभाग में उपलब्ध था। लीज रेंट भी जमा नहीं किए गए थे तथा मौके पर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित पाई गईं, जो पट्टे की शर्तों के विपरीत हैं।

शासन के 16 जनवरी 2026 के निर्देशों के अनुपालन में इन सभी भूखंडों पर पुनर्प्रवेश करते हुए उन्हें स्पष्ट रूप से अनावंटित सरकारी भूमि के रूप में दर्ज कर लिया गया है। अब इन भूखंडों का प्रबंधन पूर्णतः शासकीय नियंत्रण में रहेगा और अभिलेखीय प्रविष्टियों की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश इंडिया कॉर्पोरेशन की मिल परिसंपत्तियों से जुड़ी यह भूमि लंबे समय से वैधानिक परीक्षण के दायरे में थी। नजूल मैनुअल के प्रावधानों के अनुसार शाश्वत पट्टा प्रतिबंधित है तथा निर्धारित सीमा से अधिक अवधि का नवीनीकरण संभव नहीं है।

पॉक्सो एक्ट में दंपती को सुनाई गई फांसी की सजा

» बीपीएस न्यूज

बांदा । बांदा की विशेष अदालत ने 33 मासूम बच्चों के यौन शोषण और उनके अश्लील वीडियो विदेशों में बेचने के दोषी दंपती को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को केंद्र और राज्य सरकार की ओर से 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है।बांदा की एक विशेष अदालत ने प्रारंभिक यौन शोषण के आरोप में दंपती को फांसी की सजा सुनाई है। इस दंपती पर 33 मासूम बच्चों के साथ घिनौनी हरकतें करने और उनकी अश्लील वीडियो व तस्वीरें विदेशों में बेचकर लाखों रुपये कमाने का गंभीर आरोप था। अदालत ने पीड़ित बच्चों के परिवारों को राज्य और केंद्र सरकार की ओर से 10-10 लाख रुपये की सहायता राशि देने का भी आदेश दिया है।यह मामला तब प्रकाश में आया जब केंद्रीय जांच ब्यूरो ने अपनी गहन जांच और पुख्ता सबूतों के आधार पर सिंचाई विभाग के निलंबित अवर अभियंता रामभवन और उसकी पत्नी दुर्गावती को लगभग पांच साल पहले गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के समय उनके घर से पेन ड्राइव, लैपटॉप और मोबाइल जैसे कई महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए थे। इनमें इस जघन्य अपराध से जुड़े अहम सुराग मिले थे।विशेष अदालत ने सबूतों और गवाहों के बयानों के आधार पर दंपती को दोषी करार दिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह मामला अत्यंत जघन्य और दुर्लभतम श्रेणी में आता है, जिसमें बच्चों की मासूमियत को तार-तार किया गया। बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बनाने और समाज में इस तरह के अपराधों को रोकने के उद्देश्य से, अदालत ने दोनों आरोपियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है।अदालत ने न केवल आरोपियों को कठोर दंड दिया है, बल्कि पीड़ित बच्चों के परिवारों के प्रति संवेदनशीलता भी दिखाई है।

हरित ऊर्जा की ओर भारत के बढ़ते कदम!

272 जीडब्ल्यू की ऐतिहासिक उपलब्धि और भारत-ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। भारत ने ऊर्जा स्वतंत्रता और स्वच्छ भविष्य की दिशा में एक और बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने हाल ही में घोषणा की है कि भारत की गैर-जीवाश्म आधारित विद्युत उत्पादन क्षमता अब 272 गीगावाट से अधिक हो गई है। यह घोषणा भारत-ब्रिटेन अपतटीय पवन ऊर्जा कार्यबल की शुरुआत के दौरान की गई, जिसमें ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी और ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी और भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून भी मौजूद थीं। कार्यबल की औपचारिक शुरुआत के मौके पर जोशी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 35 गीगावाट से अधिक सौर तथा 4.61 गीगावाट पवन क्षमता जोड़ी है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भारत ने अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्रोतों से हासिल किया।यह उपलब्धिक निर्धारित लक्ष्य से पांच वर्ष पहले हासिल की गई। मंत्री ने कहा, '' आज भारत की स्थापित गैर-जीवाश्म क्षमता 272 गीगावाट से अधिक है जिसमें सौर से 141 गीगावाट और पवन से 55 गीगावाट हैज। हमारी व्यापकता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत दो साल से कम समय में करीब 30 लाख परिवारों को 'रूफटॉप सोलर' की सुविधा मिली।

इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान योजना के तहत 21 लाख पंपों का सौरकरण किया गया है।'' उन्होंने कहा कि ये आंकड़े स्पष्ट नीति, संस्थागत समन्वय तथा निवेशकों और उद्योग के भरोसे को दर्शाते हैं। मंत्री ने कहा कि हालांकि अगले चरण में विश्वसनीयता, ग्रिड स्थिरता, औद्योगिक गहराई तथा ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत करना होगा। जोशी ने कहा कि अपतटीय पवन ऊर्जा की, अगली अवस्था में रणनीतिक भूमिका होगी और इसके लिए गुजरात तथा तमिलनाडु के तटों के पास कुछ क्षेत्रों की पहचान की गई है।

उन्होंने बताया कि शुरुआती 10 गीगावाट अपतटीय निकासी क्षमता (गुजरात और तमिलनाडु में पांच-पांच गीगावाट) के लिए पारेषण योजना पूरी कर ली गई है। प्रारंभिक परियोजनाओं को सहयोग देने के लिए 7,453 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर निधि योजना भी शुरू की गई है जो लगभग 71 करोड़ पाउंड के बराबर है। मंत्री ने कहा, '' जैसा कि हम सभी जानते हैं, अपतटीय पवन वैश्विक ऊर्जा बदलाव के सबसे जटिल क्षेत्रों में से एक है। इसके लिए विशेष बंदरगाह ढांचा, समुद्री लॉजिस्टिक, समुद्र तल पट्टे की मजबूत व्यवस्था, व्यवहार्य व्यावसायिक ढांचे आदि की जरूरत होती है।''

उन्होंने कहा कि इसी वजह से यह कार्यबल महत्वपूर्ण है। भारत-ब्रिटेन दृष्टिपत्र 2035 और चौथे ऊर्जा संवाद के तहत इस कार्यबल का गठन भारत के अपतटीय पवन ऊर्जा परिवेश को रणनीतिक दिशा एवं समन्वय देने के लिए किया गया है। जोशी ने कहा कि ब्रिटेन ने शुरुआती तैनाती से लेकर परिपक्व आपूर्ति श्रृंखलाओं वाले बड़े व्यावसायिक बाजारों तक अपतटीय पवन के विस्तार में वैश्विक नेतृत्व दिखाया है। उन्होंने कहा, '' भारत व्यापकता, दीर्घकालिक मांग और तेजी से बढ़ता स्वच्छ ऊर्जा तंत्र लेकर आता है।हम मिलकर तीन व्यावहारिक स्तंभों पर काम कर सकते हैं। पहला स्तंभ पारिस्थितिकी योजना एवं बाजार संरचना है जिसमें समुद्र तल ढांचे को बेहतर बनाना, ग्रिड तैयारी के अनुरूप निविदा समयरेखा तय करना और पारदर्शी राजस्व सुनिश्चितता तंत्र बनाना शामिल है।'' मंत्री ने कहा कि दूसरा स्तंभ ढांचा और आपूर्ति श्रृंखला है। इसमें बंदरगाह आधुनिकीकरण, आधार संरचनाओं, टावरों, पंखों और केबलों का स्थानीय निर्माण, विशेष पोत तथा समुद्री परिचालन के लिए कौशल विकास शामिल है।

राहुल गांधी का सरकार पर तीखा हमला, कहा- पीएम मोदी ने देश की छवि को नुकसान पहुंचाया

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एक निजी विश्वविद्यालय द्वारा चीन में निर्मित रोबोटिक कुत्ते को प्रदर्शित किए जाने का हवाला देते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि सरकार द्वारा आयोजित यह बड़ा कार्यक्रम सिर्फ पीआर (प्रचार) का तमाशा बन गया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत की प्रतिभा और डेटा का उपयोग करने के बजाय, एआई शिखर सम्मेलन अव्यवस्थित तरीके से पीआर का तमाशा बन गया है। भारतीय डेटा बिक्री के लिए उपलब्ध है और चीनी उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है। मोदी सरकार ने देश की छवि को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है।कांग्रेस ने पोस्ट किया कि उन्होंने एआई को मजाक बनाकर रख दिया है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हम अपनी डेटा शक्ति को देखते हुए विश्व के अगुवा बन सकते हैं।

गलगोटिया विश्वविद्यालय ने दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में 350 करोड़ रुपये की एआई परियोजनाओं और एक रोबोटिक कुत्ते का प्रदर्शन किया। खबरों के अनुसार, ओरायन नाम का यह रोबोट चीन निर्मित पाया गया, जिसके कारण विवाद खड़ा हो गया।सूत्रों का कहना है कि विवाद के बीच गलगोटिया विश्वविद्यालय को अपना स्टॉल तुरंत खाली करने के लिए कह दिया गया है।

इसमें प्रदर्शित प्रौद्योगिकी की उत्पत्ति और स्वामित्व पर सवाल उठ रहे हैं। विश्वविद्यालय से तुरंत प्रदर्शनी स्थल छोड़ने को कहा गया। आलोचकों का कहना था कि यह विश्वविद्यालय का स्वदेशी नवाचार नहीं है।

मां-भाई की आंखों में मिर्च झोंककर युवती का अपहरण, पूरे जिले में नाकाबंदी

» बीपीएस न्यूज

पुणे । पुलिस के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस, गणेश बिरादर ने कहा कि आरोपियों की पहचान ज़हीर हारून शेख और अयान हारून शेख के तौर पर हुई है। उन्होंने अपनी बाइक रोकी और पीड़िता की मां और भाई की आंखों में लाल चटनी फेंककर उसे किडनैप कर लिया।एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पुणे में दो लोगों ने 21 साल की एक लड़की को किडनैप कर लिया, जब वह अपनी मां और भाई के साथ थी। इस पर लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और विरोध प्रदर्शन किया। कल रात पुणे जिले में पुणे रूरल पुलिस के तहत भिगवान पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया। पुणे रूरल पुलिस के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस, गणेश बिरादर ने कहा कि आरोपियों की पहचान ज़हीर हारून शेख और अयान हारून शेख के तौर पर हुई है। उन्होंने अपनी बाइक रोकी और पीड़िता की मां और भाई की आंखों में लाल चटनी फेंककर उसे किडनैप कर लिया।घटना के बाद आरोपियों को ढूंढने और गिरफ्तार करने के लिए पूरे जिले में नाकाबंदी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि कल रात भिगवान पुलिस स्टेशन में किडनैपिंग का केस दर्ज किया गया है... इस मामले में, ज़हीर हारून शेख और अयान हारून शेख नाम के दो युवकों ने कथित तौर पर एक बाइक रोकी और 21 साल की एक लड़की की मां और भाई की आंखों में लाल चटनी फेंक दी, जो उसके साथ थे। इसके बाद उन्होंने 21 साल की लड़की को किडनैप कर लिया। घटना के बाद, पूरे जिले में नाकाबंदी कर दी गई है, कई टोल चेकपॉइंट पर निगरानी बढ़ा दी गई है, और आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमों को तैनात किया गया है।इस घटना से लोकल लोगों में गुस्सा है। मंगलवार रात को लोग सड़कों पर उतर आए और पुणे-सोलापुर हाईवे पर प्रोटेस्ट किया, और तुरंत एक्शन लेने और आरोपी को अरेस्ट करने की मांग की।

मशहूर पटकथा लेखक सलीम खान वेंटिलेटर पर

» बीपीएस न्यूज

मुंबई। अभिनेता सलमान खान के पिता और दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार 90 वर्षीय सलीम खान की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है और कड़ी निगरानी की जा रही है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनका ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ने से मस्तिष्क के दाहिने हिस्से में आंतरिक रक्तस्राव हुआ। अस्पताल के स्वास्थ्य बुलेटिन में बताया गया कि विशेषज्ञों की टीम उनका इलाज कर रही है।

डॉ. जलील पारकर ने जानकारी दी कि न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनय चव्हाण, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अजीत मेनन, न्यूरोसर्जन डॉ. नितिन डांगे और डॉ. बिनीत अहलूवालिया की टीम उपचार में जुटी है।बताया जा रहा है कि 18 फरवरी को उनकी सर्जरी की जाएगी। इस बीच सलमान खान समेत पूरा खान परिवार अस्पताल में मौजूद है। परिवार के सदस्य और करीबी मित्र भी हालचाल लेने पहुंचे हैं। सभी ने सलीम खान के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। खान परिवार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग: एप पर संदेश, यूपी के दीपक ने बरसाई गोलियां

» दिल्ली के क्वात्रा होटल में नौकरी, शादियों में लगाता है स्टाल

» बीपीएस न्यूज

आगरा । आगरा के बिजौली के दीपक शर्मा को एप पर संदेश मिला था। संदेश मिलते ही दीपक ने गोलियां बरसा दीं। फिल्म निर्माता निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू, मुंबई स्थित घर पर 31 जनवरी की रात फायरिंग हुई थी। इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच एवं यूपी एसटीएफ के हत्थे चढ़े मुख्य शूटर बाह के बिजौली का दीपक शर्मा और जतिन भारद्वाज मौसेरे भाई हैं।

इंस्टाग्राम पर रील देखने के साथ, सिग्नल एप पर बातचीत से खुद को पुलिस से बचने के तरीके भी सीख लिए। एक संदेश के बाद फिल्म निर्माता के घर फायरिंग के बाद बड़ी रकम मिलने वाली थी। मगर इससे पहले ही उसे पकड़ लिया गया।फिल्म निर्माता निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू, मुंबई स्थित घर पर 31 जनवरी की रात फायरिंग हुई थी। इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच एवं यूपी एसटीएफ के हत्थे चढ़े मुख्य शूटर बाह के बिजौली का दीपक शर्मा और जतिन भारद्वाज मौसेरे भाई हैं। एसटीएफ के मुताबिक, दीपक शर्मा विदेश में बैठे हरि बॉक्सर के संपर्क में था। उसी ने रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग कराई थी। वारदात के पीछे शुभम लोनकर गिरोह का हाथ है। बिजौली के ही सनी और सोनू दीपक के साथी हैं। उन्होंने घर के बाहर रेकी की थी। गांव के रितिक यादव ने दीपक और उसके साथियों की छिपने में मदद की थी। गिरफ्त में आए सभी बदमाश लॉरेंस विश्नोई गैंग के नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। एसटीएफ की पड़ताल में सामने आया है कि शार्प शूटर दीपक सहित अन्य को सिग्नल एप पर ही संदेश मिला था। इसके बाद ही दीपक गोलियां बरसाने पहुंचा था। मंगलवार को दीपक शर्मा के बिजौली स्थित घर पर अमर उजाला की टीम पहुंची। मुख्य शूटर की मां विद्यावती और बीमार बहन नीतेश ही मिलीं। विद्यावती ने बताया कि वर्ष 2015 में पति रमेश चंद का निधन हो गया था। वह बेटी के साथ घर में रहती हैं। बेटा दीपक दिल्ली में किराये के कमरे में रहता है। वह क्वात्रा होटल में काम करता है। काम के साथ ही हलवाई का भी काम करता है। इस कारण वो बड़े शहर की चकाचौंध में फंस गया। वह घर कभी कभार ही आता था। घर का गुजारा किसी तरह चल पाता है। मां का कहना था कि बेटा कब अपराध की दुनिया में चला गया, उन्हें नहीं पता। बताया कि दीपक दिवाली पर घर आया था।

जरूरी एजेंडा के साथ भारत आया हूं राष्ट्रपति लूला

नई दिल्ली। राहुल कुमार ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा पांच दिवसीय भारत दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे।वह यहां इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में हिस्सा लेने आए हैं। विदेश राज्य मंत्री ने स्वागत किया। लूला ने होटल में पारंपरिक स्वागत के लिए धन्यवाद दिया और अपने दौरे का एजेंडा साझा किया। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा पांच दिवसीय भारत दौरे पर बुधवार को नई दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने किया। विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक एक्स पोस्ट में इस बात की जानकारी दी। एयरपोर्ट के बाद सिल्वा होटल पहुंचे। वहां उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। मेहमान नेता भारतीय संस्कृति और आतिथ्य से खासा प्रभावित हुए हैं। उन्होंने भारत को नमस्ते कह आभार जताया है। सोशल मीडिया प्रोफाइल पर एक वीडियो शेयर कर उन्होंने पारंपरिक स्वागत के लिए धन्यवाद अदा करते हुए अपना एजेंडा भी बताया है।

अफ्रीका से लाई गई गामिनी के घर गूंजी किलकारी, तीन चीता शावक जन्मे

» बीपीएस न्यूज

मध्य प्रदेश के कूनो नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में तीन चीता शावकों का जन्म हुआ है। इसी के साथ कुनो में चीतों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है। केंद्रीयमंत्री भूपेंद्र यादव ने आज खुशखबरी साझा करते हुए नए शावकों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

उन्होंने एक्स पर बताया कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में तीन नए चीता शावकों का जन्म हुआ है। दक्षिण अफ्रीका से लाई गई चीता गामिनी ने दूसरी बार तीन शावकों को जन्म दिया है। यह भारत में चीता पुनर्वास की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि है। यह भारतीय धरती पर चीता का नौवां सफल प्रयास है। उन्होंने बताया कि अब तक 27 भारतीय-जन्मे शावक जीवित हैं। इन नए शावकों के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या 38 हो गई है। यह उपलब्धि प्रोजेक्ट चीता के तहत चल रहे ऐतिहासिक संरक्षण प्रयासों की सफलता को दर्शाती है।

केंद्रीयमंत्री ने इसे देश के वन्यजीव संरक्षण अभियान का गौरवपूर्ण क्षण बताया और फील्ड स्टाफ व पशु-चिकित्सा टीमों की सराहना की, जिन्होंने दिन-रात मेहनत कर इस सपने को साकार किया। उन्होंने कामना की कि गामिनी और उसके तीनों शावक स्वस्थ और मजबूत बनें तथा भारत की चीता पुनरुत्थान गाथा को आगे बढ़ाएं।उल्लेखनीय है कि भारत में प्रोजेक्ट चीता की औपचारिक शुरुआत 17 सितंबर 2022 को हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर नामीबिया से लाए गए पहले 8 चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में छोड़ इस परियोजना का शुभारंभ किया। यह दुनिया की पहली अंतरमहाद्वीपीय बड़ी जंगली मांसाहारी जीव स्थानांतरण परियोजना है।

लॉरेंस गैंग का बदमाश बॉबी कबूतर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक मोस्ट वांटेड अपराधी को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने कुख्यात बदमाश बॉबी कबूतर को गिरफ्तार किया है। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के बड़े गैंगस्टर के रूप में पहचाने जाने वाले बॉबी कबूतर का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास और संगठित अपराधों सहित कई गंभीर आरोप हैं।पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या से पहले रेकी करने वाले कुख्यात बदमाश बॉबी कबूतर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। फरार चल रहे इस इनामी बदमाश के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हुए हैं। बॉबी कबूतर दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हत्या के कई मामलों में वांछित था, जिसमें मकोका और एनआईए के मामले भी शामिल हैं।

नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के बड़े गैंगस्टर के रूप में पहचाने जाने वाले बॉबी कबूतर का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास और संगठित अपराधों सहित कई गंभीर आरोप हैं। हाल ही में नदीम ब्रदर्स की हत्या के मामले में इसी बदमाश द्वारा सबसे ज्यादा गोलियां चलाने की बात सामने आई थी। स्पेशल सेल ने दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर से इसकी गिरफ्तारी कर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है।

खुशखबरी: अब एयर टैक्सी से उड़कर जाइए ऑफिस या स्कूल

» बीपीएस न्यूज

फिल्मों और हाई-टेक वेब सीरीज में दिखाई जाने वाली मशीनें अब सच में बदलती दिख रही हैं। वेलकम टू द फ्यूचर जैसी मूवीज में हमने हवा में उड़ती हुई कारों को देखा था, ऐसा ही कुछ अब जल्द ही आप भारत में भी देख पाएंगे।।

भारत में देश की पहली एयर टैक्सी चलाने की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है। बताया जा रहा है कि इसकी तैयारी पूरी हो चुकी है, लेकिन कुछ फाइनल टच अभी बाकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत सरकार ने एयर टैक्सी को मंजूरी दे दी है। बस ष्ठत्रष्ट के साथ मिलकर बाकी बची औपचारिकताओं को पूरा किया जा रहा है।

इस एयर टैक्सी को 'ई-प्लेन' कंपनी बना रही है। भारत मंडपम में आयोजित की जा रही ढ्ढ इंपैक्ट समिट में भारत की पहली एयर टैक्सी का प्रदर्शन किया गया,

जिसे देखकर दुनिया दंग रह गई। आपको बता दें कि यह टैक्सी पूरी तरह से स्वदेशी है।

रिपोर्ट्स की मानें तो इस एयर टैक्सी में 3 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी, जिसमें से एक पायलट होगा और 2 यात्री। फिलहाल अहमदाबाद, पुणे, चेन्नई और बेंगलुरु से इसकी शुरुआत की जाएगी।

कंपनी की ओर से मौजूद एक कर्मचारी ने बताया कि एयर टैक्सी से पहले भारत में एयर एंबुलेंस लॉन्च किया जाएगा। इसके कुछ महीनों बाद एयर टैक्सी को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा। आपको बता दें कि शहर के जाम में फंसकर एंबुलेंस में मौजूद मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी तो मरीजों की जान भी चली जाती है। ऐसे में एयर एंबुलेंस के जरिए राहत पाने वाले लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी।

क्या आप फिट रहना चाहती हैं

फिट रहने के लिए 3 मिनट घर पर ही करें यह 1 एक्सरसाइज

सेहत का रखें ख्याल

सर्दियों के मौसम में रजाई से निकलना बेहद ही मुश्किल होता है। विंटर में जिम जाना या लंबी एक्सरसाइज करना भी नामुमकिन लगता है। यदि आप भी फिट रहना चाहती हैं, लेकिन ठंड की वजह से एक्सरसाइज नहीं करती, तो अब आपको चिंता करने की कोई जरुरत नहीं हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि घर में आसान तरीके से असरदार एक्सरसाइज करने से आप फिट नजर आएगी। रोजाना केवल 3 मिनट के लिए फिट और एक्टिव रह सकती हैं। यह एक्सरसाइज मालासन वॉक है। फिटेनस एक्सपर्ट के मुताबिक, मालासन वॉक महिलाओं के शरीर के लिए खासतौर पर फायदेमंद होती है। यह फिटनेस को बढ़ाती है और हार्मोनल बैलेंस और रिप्रोडक्टिव हेल्थ में भी काफी सहायक है।

» या है मालासन वॉक?

मालासन एक स्कवाट पोज है, जिसमें पैरों को थोड़ा फैलाकर बैठा जाता है। फिर इसी पोज में धीरे-धीरे आगे बढ़ा जाता है, तो इसे मालासन वॉक कहते हैं। इसको आप घर के अंदर या खुले स्थान पर कहीं भी आराम से कर सकते हैं।

» मालासन वॉक कैसे करें?

इसके लिए पैरों को थोड़ा चौड़ा करके स्क्वाट पोज में बैंठ जाएं।

अब पीठ सीधी रखें और दोनों हाथ सामने या नमस्कार मुद्रा में रखें।

इसी पोजिशन में छोटे-छोटे कदमों से आगे बढ़े।

शुरु-शुरु में 30 सेकेंड से शुरु करें और धीरे-धीरे 3 मिनट तक करें।

» मालासन वॉक के फायदे

इस एक्सरसाइज करने से महिलाओं की फर्टिलिटी बढ़ाने में सहायक होती है।

पीरियड्स को रेगुलेट करती है और क्रैम्प्स कम करती है।

कब्ज को राहत दिलाती है और डाइजेशन को सुधारती है।

यह एक्सरसाइज करने से लोअर बैक और हिप्स में मजबूती आती है।

» यह लोअर बॉडी को टोन भी करती है।

यदि आप तेजी से कैलोरी बर्न करना चाहती हैं, तो इसे रोजाना करें।

इसके अलावा, सेक्सुअल एनर्जी को बैलेंस करती है और इमोशनल ब्लॉकेज रिलीज करती है।

» या है इस एसरसाइज की खासियत?

मालासन वॉक उन महिलाओं के लिए एक आसान और प्रभावी व्यायाम है, जिनके पास समय की कमी होती है या जो कठिन वर्कआउट नहीं कर पातीं। यह एक्सरसाइज हर उम्र की महिलाओं के लिए सुरक्षित मानी जाती है और सर्दियों के मौसम में शरीर को अंदर से गर्म रखने में भी मदद करती है।

क्या आपको पता है कि आपके पेट की जिद्दी चर्बी का असली विलेन हैं?

इन्हे कंट्रोल करने का सही उपाय

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण हमारे शरीर पर असर ज्यादा देखने को मिलता है। आज के समय में बेली फैट किसी को पसंद नहीं है। क्योंकि ये हमारे लुक्स को खराब करता है, बल्कि हमारा कॉन्फिडेंस को भी कम करता है। क्या आप जानते हैं कि हमारे शरीर में मौजूद कई हार्मोंस का लेवल जब ऊपर-नीचे होता है, तो इससे बेली फैट बढ़ने लगता है और लटकती हुई तोंद को कम करने में मुश्किल आती है। अक्सर एस्ट्रोजन, कोर्टिसोल, इंसुलिन और थायराइड जैसे हार्मोंस बेली फैट के बढ़ने का कारण बन जाते हैं। ऐसे में लटकती हुई तोंद किसी को पंसद नहीं होची है। आइए आपको बताते हैं हार्मोन्स को बैलेंस कैसे करें।

इंसुलिन हार्मोन को मैनेज करने के लिए बेली फैट कम किया जा सकता है। इसके लिए आप मेथी दाना, दालचीनी, करेला और मूंग दाल इंसुलिन लेवल को मैनेज करने में मदद करते हैं। जब इंसुलिन लेवल बढ़ा हुआ होता है, तो अंगों के आस-पास विसरल फैट बढ़ने लगता है। इन सबके सेवन से इंसुलिन लेवल मैनेज होने लगता है। बेली फैट को कम करने के लिए स्ट्रेस हार्मोन यानी कोर्टिसोल का कम होना भी जरुरी है। जब शरीर में कोर्टिसोल बढ़ा हुआ होता है, तो शरीर फैट जमा करने लगता है और ऐसे में चर्बी को कम करना बहुत मुश्किल हो जाता है ।इसके अलावा, अश्वगंधा, तुलसी, बादाम और मुलेठी स्ट्रेस हार्मोन को कंट्रोल करने पेट की चर्बी कम करने में मदद करते हैं। यह दिमाग को शांत रखता है और धीरे-धीरे कोर्टिसोल स्तर को कम करता है।

अगर आपके शरीर में एस्ट्रोजन का लेवल बढ़ा हुआ है, तो इस कारण से बेली फैट की समस्या उत्पन्न होने लगती हैं। अगर आप इसको कम करना चाहते हैं तो ब्रोकली, पत्तागोभी, नींबू और फ्लैक्स सीड्स को डाइट में शामिल करें। ये फूड्स अतिरिक्त एस्ट्रोजन को बाहर निकालने और लिवर को डिटॉक्स करने का काम करता है ।जब शरीर में थायराइड हार्मोन का स्तर कम हो जाता है, तो इसका सीधा असर मेटाबॉलिज्म पर पड़ता है, जिससे वजन बढ़ने और खासकर पेट की चर्बी बढ़ने की समस्या होने लगती है। ऐसे में बेली फैट कम करने के लिए थायराइड हार्मोन का संतुलित रहना बहुत जरूरी है। इसके लिए अपनी डाइट में दही, कद्दू के बीज,

द केरल स्टोरी 2- गोज़ बियॉन्ड' का दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज

विपुल अमृतलाल शाह और उनके बैनर 'सनशाइन पिक्चर्स' के सपोर्ट से बनी 'द केरल स्टोरी 2 -गोज बियॉन्ड' का दमदार ट्रेलर मेकर्स द्वारा रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर की शुरुआत एक रोंगटे खड़े कर देने वाली चेतावनी से होती है, जिसमें कहा गया है कि अगले 25 सालों में भारत एक इस्लामिक स्टेट में बदल सकता है। इसके तुरंत बाद कहानी राजस्थान की तरफ मुड़ती है, जहाँ एक परेशान हिंदू परिवार पुलिस स्टेशन में पोक्सो () शिकायत दर्ज कराने पहुँचता है। उनका आरोप है कि उनकी 16 साल की बेटी का जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया है। उन माता-पिता का दर्द और बेबसी आगे आने वाली कहानी का माहौल सेट कर देती है। ?

वहाँ से कहानी मध्य प्रदेश पहुँचती है, जहाँ कथित तौर पर एक हिंदू युवती को धोखे से शादी के जाल में फंसाया जाता है, और फिर उसे धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता है। उसकी खामोश तकलीफ और अकेलापन, धोखे और टूटे हुए भरोसे की एक डरावनी तस्वीर पेश करते हैं। कहानी का तीसरा हिस्सा हमें वापस केरल ले जाता है। यहाँ एक मुस्लिम लड़का अपनी हिंदू गर्लफ्रेंड के सामने लिव-इन रिलेशनशिप का प्रस्ताव रखता है। जब वह लड़की साफ तौर पर कह देती है कि वह अपना धर्म नहीं बदलेगी, तो हालात बिगड़ने लगते हैं। ट्रेलर में तीखी बहस और टकराव के सीन दिखाए गए हैं, जहाँ उस पर अपने विश्वास को छोड़ने का दबाव बनाया जाता है, जो पहचान, आस्था और निजी आजादी के बीच की जंग को दर्शाता है।

यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा की झकझोर देने वाली कहानी को सामने लाती है। उनकी जिंदगी तब एक खौफनाक मोड़ लेती है जब उन्हें तीन मुस्लिम लड़कों से प्यार हो जाता है और धीरे-धीरे उन रिश्तों के पीछे छिपा धर्म परिवर्तन का एक सोचा-समझा एजेंडा सामने आता है। 2022 की फिल्म 'द केरल स्टोरी' के जबरदस्त इम्पैक्ट के बाद यह अगला पार्ट एक ऐसी कहानी का वादा करता है जो पहले से कहीं ज्यादा डार्क और बड़ी है, जो कई राज्यों और निजी त्रासदियों को समेटे हुए है। कामाख्या नारायण सिंह द्वारा निर्देशित 'द केरल स्टोरी 2 ङ्क गोज बियॉन्ड' के प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह हैं और को-प्रोड्यूसर आशिन ए. शाह हैं। यह फिल्म 27 फरवरी को सभी सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

प्रस्तुति- काली दास पाण्डेय

मधुमक्खियों के हमले के बाद अंपायर की गिरकर मौत हो गई, हादसा शुक्लागंज के राहुल सप्रू मैदान पर हुआ

मैच के दौरान मधुमक्खियों के हमले से अंपायर की मौत, कई खिलाड़ी और स्कोरर भी घायल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मैच के दौरान अंपायर पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। उम्र अधिक होने के कारण वह दौड़ नहीं सके और गिर गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनका निधन हो गया। मधुमक्खियों के हमले से कई खिलाड़ी व स्कोरर घायल हुए हैं। यह घटना शुक्लागंज के राहुल सप्रू मैदान पर बुधवार दोपहर बाद हुआ।फीलखाना निवासी 65 वर्षीय मनिक गुप्ता क्रिकेट अंपायर थे और 30 वर्षों से केसीए के अंपायरिंग पैनल के अंपायर थे। बुधवार को शुक्लागंज स्थित राहुल सप्रू मैदान पर केसीए की प्रथम सुनील तिवारी स्मारक अंडर-13 क्रिकेट लीग के मैच था। इसमें मानिक गुप्ता मैच अंपायर थे। मैच समाप्त होने के बाद वहां बी मैदान पर पहुंचें। वहां दूसरा मैच चल रहा था जिसमें उनके साथी अंपायरिंग कर रहे थे, तो उन्होंने कहा कि मैच खत्म हो जाए तो दोनों लोग घर साथ चलेंगे। इसके बाद वह मैदान के किनारे बैठ गए। इसके कुछ देर बाद ही मधुमक्खियों के झुंड ने मैदान पर हमला कर दिया। कई खिलाड़ियों व स्कोर को काटा।

यह देख मानिक बचने के लिए भागे लेकिन गिर गए और पचास से अधिक मधुमक्खियों ने उनपर हमला बोल दिया। लगभग दस मिनट तक मधुमक्खियों ने उनको नहीं छोड़ा। फिर आनन-फानन में पूर्व रणजी खिलाड़ी राहुल सप्रू अपनी कार से शुक्लागंज में उन्हें दो-तीन अस्पताल ले जाया गया, लेकिन सभी ने अपने यहां भर्ती करने से मना कर दिया। इसके बाद उन्हें केसीए पदाधिकारी हैलट भी लाए, लेकिन मौत हो चुकी थी। वह ह्रदय रोग से पीड़ित थे तो उन्हें कार्डियोलॉजी भी ले जाया गया। लेकिन, वहां भी डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। जानकारी पर परिजन भी पहुंचे और पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। मानिक की चार बेटियां हैं जिनमें से तीन की शादी हो चुकी है। चौथी बेटी इंटरमीडिएट की छात्रा है। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह भागवत दास घाट पर किया जाएगा।यह बेहद ह्रदय को दुखी करने वाली घटना है। मानिक केसीए के वरिष्ठ अंपायरों थे। केसीए परिवार की ओर से उनके परिवार को हरसंभव मदद की जाएगी और केसीए पूरी तरह से परिवार के साथ खड़ा है।

बार एसोसिएशन चुनाव- योगेंद्र अवस्थी अध्यक्ष, बिनय मिश्रा बने महामंत्री, दोनों पदों पर रही कांटे की टक्कर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बार एसोसिएशन के ऐतिहासिक चुनाव में इस बार अध्यक्ष और महामंत्री दोनों पदों पर कांटे की टक्कर रही। अध्यक्ष पद पर जहां योगेंद्र कुमार अवस्थी ने 62 मतों से जीत हासिल की वहीं महामंत्री पद पर बिनय कुमार मिश्रा ने 82 मतों से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को पछाड़ा। जीत की घोषणा होते ही कचहरी और आसपास की सडकें ढोल-नगाड़े की थाप से गूंज उठीं। कुछ जगह आतिशबाजी भी हुई। रविवार को उपाध्यक्ष, मंत्री व संयुक्त मंत्री पदों की मतगणना होगी।

अध्यक्ष पद पर योगेंद्र कुमार अवस्थी को 1453 मत मिले। दूसरे स्थान पर रहे दिनेश कुमार शुक्ला को 1391 व तीसरे स्थान पर रहे सर्वेश कुशवाहा को 1114 मत मिले। इसी तरह संदीप कुमार सिंह को 893, रवींद्र शर्मा को 487, सुरेंद्र कुमार कुशवाहा को 174 व रमेश चंद्र वर्मा को 107 मतों पर संतोष करना पड़ा। 39 मत अवैध घोषित हुए।

वहीं महामंत्री पद पर बिनय कुमार मिश्रा को 1801 मत मिले जबकि दूसरे स्थान पर रहे सुशील कुमार सिंह को 1719 व तीसरे स्थान पर रहे रुद्र प्रताप सिंह को 1233 मत मिले।

रामजी दुबे को 496, हेमेंद्र कुमार श्रीवास्तव को 146, सत्येंद्र सिंह गौतम को 98, संजीव कुमार यादव को 55, चंद्रशेखर तिवारी को 33, व संगीता द्विवेदी को 32 मतों से संतोष करना पड़ा।

45 मत अवैध घोषित हुए। परिणाम की घोषणा रात लगभग नौ बजे हो सकी।

मेरे कार्यकाल में कोई भी अधिवक्ता जेल नहीं जाएगा। महामंत्री काल में बार को वाईफाई का तोहफा दिया था, अध्यक्ष के कार्यकाल में पूरी बार सोलर पैनल से वातानुकूलित कराई जाएगी। -योगेंद्र कुमार अवस्थी

अध्यक्षअधिवक्ताओं के सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बार-बेंच और शासन-प्रशासन से सामंजस्य बनाकर अधिवक्ताओं की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा।

नकली दरोगा गिरफ्तार- लखनऊ में कराता था फर्जी परीक्षा और इंटरव्यू

सरकारी नौकरी का झांसा दे फर्जी इंटरव्यू कराने वाला फर्जी दरोगा गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । वर्दी पहनकर ठगी करने वाला फर्जी दरोगा संजय सिंह गिरफ्तार हुआ है। वह लखनऊ के होटलों में फर्जी इंटरव्यू कराकर युवाओं से नौकरी के नाम पर लाखों वसूलता था।कानपुर में पुलिस ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने वर्दी पहनकर दरोगा बनकर घूम रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों को नौकरी और ट्रांसफर-पोस्टिंग का झांसा देकर लाखों रुपये वसूलता था। पुलिस गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। मामला अनवरगंज थाना क्षेत्र का है, जहां मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कल्याणी रोड स्थित कूड़ा घर के पास से संजय कुमार सिंह नाम के युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी पुलिस की पूरी वर्दी पहनकर खुद को दरोगा बताता था और रौब झाड़कर लोगों को भरोसे में लेता था।

ये सामान बरामदतलाशी के दौरान उसके पास से पुलिस और सीबीआई के फर्जी आईडी कार्ड, एक पूर्व प्रमुख सचिव का लेटर पैड, पुलिस वर्दी, बेल्ट, जूते, पी-कैप, लाइटर पिस्टल, कारतूस और फर्जी नंबर प्लेट बरामद हुई।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी लखनऊ में प्राइवेट स्कूल और होटल किराए पर लेकर फर्जी परीक्षा और इंटरव्यू तक आयोजित कराता था।पूरे नेटवर्क की जांच जारीनौकरी दिलाने के नाम पर पैसे लेने के बाद रिजल्ट में देरी का बहाना बनाकर अभ्यर्थियों को डराता-धमकाता था। डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी अपने साथियों दुर्गेश सविता और विजय चौहान के साथ मिलकर गिरोह चला रहा था। दोनों फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया है और पूरे नेटवर्क की जांच जारी है।

मौरंग लदे डंपर भिड़े, लखनऊ जाने वाली लेन ठप

कानपुर-लखनऊ हाईवे पर अचलगंज और दही क्षेत्र में दो हादसों के बाद तीन किमी लंबा जाम लग गया।

मौरंग लदे डंपर के बीच सड़क पर फंसे होने से यातायात करीब चार घंटे तक बाधित रहा ।उन्नाव जिले में कानपुर-लखनऊ हाईवे पर बुधवार सुबह दो स्थानों पर वाहनों के टकराने से जाम लग गया। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाने में समय लगा, जिससे जाम लंबा होता चला गया।

रास्ते से निकलने को लेकर पूर्व प्रधान से मारपीट कार्रवाई न होने पर किया आत्महत्या का प्रयास

» बीपीएस न्यूज

शिवली ।थाना क्षेत्र के बैरी सवाई में रास्ता में पड़ी बल्लियों को हटाने की कहने पर नाराज लोगों ने पूर्व प्रधान व उसके साथी संग मारपीट कर दी। मामले में कार्रवाई न होती देख पीड़ित पूर्व प्रधान ने घर के शौचालय में फंदा लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया लेकिन समय रहते परिजन ने उनको फंदे से उतार कर सीएचसी में भर्ती करवाया। वहां डॉक्टर ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए हैलट रेफर कर दिया। नुरारी बहादुरपुर औनहां निवासी वीरेंद्र कुमार उर्फ सोनू तिवारी ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि वह गांव के पूर्व प्रधान हैं। मंगलवार शाम छह बजे के करीब वह बरियन नेवादा के पूर्व प्रधान प्रवीण कुमार राजपूत के साथ जरूरी काम से बाइक से बैरी सवाई होकर गांव जा रहे थे। बैरी सवाई निवासी मोहम्मद हनीफ के घर के बाहर सड़क पर बल्ली पड़ी होने पर उन्होंने हनीफ को बल्ली हटाने के लिए कहा। इसपर आरोपी भड़क उठा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी हनीफ ने अपने भाई रज्जाय, यूनुस मोहम्मद, बेटे जाकिर उर्फ बड़े बउवा, जावेद उर्फ छोटे, तौफीक मोहम्मद उर्फ शीबू, भतीजे साहिल, तौहीद, भोलू, इरफान, अकरम, इरफान मोहम्मद, आरिफ व छह अन्य लोगों ने मिलकर लाठी-डंडों से मारपीट की। आरोपी हनीफ ने उसे जान से मार देने की धमकी दी।इसके साथ ही आरोपी उसे घर के अंदर ले जाकर जान से मारने का प्रयास कर रहे थे। तभी रास्ते से गुजर रहे लोगों के ललकारने पर आरोपी उनको छोड़कर चले गए। इधर मामले में कार्रवाई न होती देख पीड़ित पूर्व प्रधान सोनू से बुधवार दोपहर को घर पर शौचालय में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। इस बीच परिजन के मौके पर पहुंच गए और उनको फंदे से उतार कर सीएचसी शिवली ले गए। वहां डॉक्टर ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए हैलट कानपुर नगर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी पर कुछ संगठन के लोगों ने सीएचसी में पहुंचकर विरोध प्रदर्शन भी किया। थानाध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार किया जाएगा।

एसीपी ऑफिस से 50 कदम पर बेखौफ चोर, तीन दुकानों की दीवारें तोड़कर नकदी-माल पार, व्यापारियों में आक्रोश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कलक्टरगंज एसीपी कार्यालय के पास नयागंज में चोरों ने तीन दुकानों की दीवार तोड़कर 50 हजार की नकदी और माल पार कर दिया। घटना से नाराज व्यापारियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।कानपुर में बेखौफ चोरों ने कलक्टरगंज एसीपी ऑफिस से महज 50 कदम की दूरी पर शक्करपट्टी नयागंज स्थित तीन दुकानों में मंगलवार देर रात दीवार तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। तीन दुकानों के मालिक राजेश गुप्ता, अंशुल गुप्ता व रोहित जैन और उनके कर्मचारी बुधवार सुबह जब दुकान पहुंचे।जब दुकान खोली तो पाया कि दुकान के अंदर सेंधमारी करते हुए दीवार तोड़कर चोरों ने घुसकर माल व गल्ले में रखी नकदी चोरी कर ली है।

घटना की सूचना पर भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र व्यापार प्रकोष्ठ क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता समेत दर्जनों व्यापारी पर पहुंचे और आक्रोश जाहिर किया। व्यापारियों ने घटनास्थल से ही फोन मिलाकर तत्काल व्यापारियों के साथ हुई घटना की एफआईआर पंजीकृत करने के लिए कहा। लगभग 50 हजार नकदी और दो गत्ता काजू की चोरीव्यापारियों ने कहा कि होली के त्योहार के मौसम में भरे बाजार इस प्रकार की चोरी की घटना से व्यापारी स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा है। प्रभारी निरीक्षक कलक्टरगंज विनय तिवारी ने व्यापारियों के साथ हुई घटना पर तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है। चोरी हुई दुकानों से लगभग 50 हजार नकदी और दो गत्ता काजू की चोरी व्यापारियों द्वारा बताई गई है।

बूथ दिवस पर डीएम ने परखी हकीकत मतदाताओं से नाम जांचने की अपील

कानपुर। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत आयोजित 'बूथ-दिवस' पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने रविवार को कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जय नारायण विद्या मंदिर स्थित बूथ संख्या 236 से 242 तथा कंपोजिट विद्यालय, पुराना कानपुर स्थित बूथ संख्या 296 से 305 पर पहुंचकर मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़ी प्रक्रिया को परखा।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बीएलओ से प्राप्त आवेदनों की स्थिति जानी और निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन को निर्धारित समयसीमा में निस्तारित किया जाए। उन्होंने प्रकाशित आलेख्य सूची की उपलब्धता, फॉर्म-6 और फॉर्म-8 की स्थिति तथा मतदाताओं की उपस्थिति की जानकारी ली। डीएम ने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए और अपात्र नामों को नियमानुसार हटाया जाए।उन्होंने मौके पर मौजूद मतदाताओं से संवाद कर अपील की कि वे अपना नाम सूची में अवश्य जांच लें और यदि कोई त्रुटि हो तो तत्काल आवेदन करें। बूथ पर पहुंचने वाले नागरिकों को आवश्यक मार्गदर्शन देने और प्रक्रिया को सरल रखने के निर्देश भी दिए गए।जिलाधिकारी ने कहा कि पुनरीक्षण अभियान लोकतंत्र की मजबूती से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है, इसमें लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्कता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान ईआरओ/एसीएम-6 आलोक कुमार गुप्ता सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

न्याय और कल्याणकारी योजनाओं का संगम बना विधिक सेवा शिविर

» लाभार्थियों को मिला सम्मान और अधिकारों की जानकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। न्याय को आमजन तक पहुंचाने और शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक प्रसारित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कानपुर नगर तथा छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रानी लक्ष्मीबाई प्रेक्षा गृह में वृहद विधिक सेवा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित कर उन्हें प्रमाणपत्र और प्रतीकात्मक लाभ भी प्रदान किए गए। साथ ही 43 विभागों की प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को उनके अधिकारों और योजनाओं की जानकारी दी गई।कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश

अनमोल पाल, कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, अपर जिला जज विनय सिंह, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कर्णिका अवध और मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया।

जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है।

उन्होंने लाभार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने अनुभव साझा कर अन्य लोगों को भी जागरूक करें। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण न्याय को सरल और सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि न्याय केवल न्यायालयों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के अधिकारों से जुड़ा प्रश्न है।

आर्थिक अभाव के कारण जो लोग न्याय पाने में असमर्थ हैं, उन्हें निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन की प्रत्येक कल्याणकारी योजना विधिक अधिकार और दायित्व से जुड़ी है और ऐसे शिविर लोगों को अपने अधिकार समझने का अवसर प्रदान करते हैं। प्रभारी सचिव डीएलएसए कर्णिका अवध ने डीएलएसए की विभिन्न योजनाओं और लोक अदालतों की भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने कहा कि यह मंच न्याय और विकास को एक साथ जोड़ने का सशक्त माध्यम है।शिविर में मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत माधुरी पत्नी अजय कुमार और अनीता पत्नी ओमप्रकाश को आवास की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई। आयुष्मान योजना के अंतर्गत उमा, सुषमा और सिया जानकी को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। टूल किट योजना के अंतर्गत लक्ष्मी और पूजा को सिलाई मशीन वितरित की गई।

श्रम विभाग की योजनाओं से लल्ली देवी, बबलू, धनदेवी और उमेश कुमार को लाभान्वित किया गया। राजेश कुमार गुप्ता, मोहन कुमार और मनोज कुमार सहित दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए। महिला बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से सृष्टि अनिरुद्ध, रियांश, रुद्रांशी, वैष्णवी को अन्नप्राशन कराया गया।

नोडल अधिकारी/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनय सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम को समाप्त किया गया।शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, डूडा, ग्राम विकास, परिवहन, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, रेशम विकास, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, मिशन शक्ति, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, श्रम, बाल विकास, खाद्य एवं रसद, स्वास्थ्य, पशुपालन, उद्योग, शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और जिला कारागार सहित 43 विभागों ने स्टॉल योजनाओं की जानकारी दी।

वहीं ग्राउंड स्थल पर महिला कल्याण विभाग द्वारा भी स्टॉल लगाया गया।

शिविर में जनपद न्यायाधीशअनमोल पाल, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन व जनपद स्तरीय अधिकारीयों ने निरीक्षण किया। महिला कल्याण विभाग के कार्मिक द्वारा विभिन्न प्रकार के पम्पलेट आदि वितरण कर आम जन मानस को महिला कल्याण विभाग की मुख्य योजनाओं कन्या सुमंगला, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य, निराश्रित महिला पेंशन, बाल विवाह मुक्त भारत आदि की जानकारी प्राप्त कराई गई। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग के कार्मिक उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने स्टॉलों पर पहुंचकर योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

मदद के लिए चीखते-चीखते थम गईं चार सांसें

» खुले शीशे से बच गई छह जिंदगियां

» सुरक्षा जाली होती, तो कार तालाब में न गिरती

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर देहात में जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते चार लोगों की जान चली गई। त्रियोदशी संस्कार में अपनों का गम बांट कर लौट रहे एक ही परिवार के चार लोगों की मदद के लिए चीखते-चीखते सांसें थम गईं। कार में मौजूद अन्य परिजन को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। अपनों के शव देख सुरक्षित बचे लोग बदहवास नजर आए। शिवली कल्याणपुर मार्ग पर बैरी सवाई स्थित सांचुला माता मंदिर के पास सड़क किनारे गहरा तालाब है।

इसके बावजूद भी जिम्मेदारों की ओर से तालाब के किनारे सुरक्षा के लिहाज से बाउंड्री नहीं बनवाई गई है। इसके चलते शुक्रवार देर शाम को अनियंत्रित वैन तालाब में जा गिरी।

हादसे में कानपुर के आवास विकास कल्याणपुर-3 निवासी राजकिशोर अग्निहोत्री, उनकी पत्नी स्नेहलता, बेटी राखी उर्फ हिमांशू अग्निहोत्री, नाती शिव (2) की डूबने से मौत हो गई। वहीं, कार गिरने की जानकारी पर पहुंचे ग्रामीणों ने बहादुरी दिखाते हुए मोर्चा संभाला।

कार में मौजूद राजकिशोर की नातिन वानी, रिश्तेदार कृतिका, सुधा, उनके बेटे कान्हा (4), सुधांशु (24) की सांसें उखड़ने से पहले ही तालाब से निकाल कर सीएचसी शिवली में भर्ती करवाया। आंखों के सामने अपनों की सांसें थम जाने से सभी घायल बदहवास हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि वह लोग कई बार जिम्मेदारों से तालाब के किनारे बाउंड्री बनवाने की मांग कर चुके हैं। जिम्मेदारों की अनदेखी से हुए हादसे में चार लोगों की जान चली गई। यदि सुरक्षा जाली होती तो कार तालाब में न गिरती और न ही इतना बड़ा हादसा होता।

मुख्य मार्गों के पास पड़ने वाली नहर, माइनर, तालाबों के आसपास सुरक्षा के इंतजाम करने में जिम्मेदारों की ओर से की जाने वाली अनदेखियां बड़े हादसों का कारण बन रही हैं। इन हादसों में लोगों की जान चली जाना उनके परिवार को जिंदगी भर का दुख दे जाता है। जिम्मेदार इन हादसों के बाद भी अनदेखी कर देते हैं। नोएडा में जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते निर्माणाधीन साइट में खोदे गए गड्ढे में कार चली जाने से सॉफ्टवेयर इंजीनियर की जान चली गई थी।

इस घटना के बाद भी जिम्मेदारों ने सबक नहीं लिया और सड़क के किनारे मौजूद नहर नालों व तालाबों के किनारे सुरक्षा के कड़े प्रबंध नहीं किए गए। औरैया के अछल्दा थाना क्षेत्र के तुरुकपुर गांव के पास नहर के किनारे सुरक्षा व प्रकाश व्यवस्था न होने से भरथना इटावा के घी कारोबारी राजीव कुमार उर्फ कल्लन, उनकी पत्नी मधु गुप्ता व बेटे शिवम की रात में नहर में कार सहित पड़े रहने से जान चली गई। इसके बाद शुक्रवार को बैरी में भी तालाब के किनारे सुरक्षा व्यवस्था न होने से तालाब में कार तालाब में गिर गई। तालाब के पास प्रकाश व्यवस्था भी न होने से ग्रामीणों को तालाब में डूब रहे लोगों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की जान चली गई।

घटना स्थल पर पहुंचे राजकिशोर के भतीजे राजन अग्निहोत्री ने बताया कि उनकी हादसे में बचे लोगों से बात हुई है। साथ ही गांव के लोगों ने बताया कि हादसे के बाद करीब 25 मिनट में सभी को बाहर निकाला गया। कार में चालक की साइड के शीशे खुले थे। कार तालाब में गिरने के बाद चालक निकल कर भाग गया। इसी बीच ग्रामीणों ने शीशे से बाहर की ओर झांक रहे लोगों को किसी तरह से बाहर निकाला। जबकि जो लोग अंदर की तरफ थे, उनकी जान चली गई।

कारोबारी से दो करोड़ की ठगी दो आरोपी गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चेक गणराज्य के कारोबारी गैंगेला से हुई करीब दो करोड़ की ठगी में शामिल आरोपी हर वारदात की प्लानिंग ऑटो में यात्रा कर बनाते थे। उनकी बातों को सुन अक्सर चालक लालच में आकर साजिश में शामिल हो जाते थे। उनके बैंक खाते, आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेजों का इस्तेमाल ठगी में होता था। यह जानकारी पुलिस और पश्चिम जोन की साइबर सेल की जांच में हुआ है। अब तक 30 से अधिक दस्तावेज मिले हैं, जिनमें ज्यादातर ऑटो चालक या उनके परिजनों के हैं। पुलिस ने गिरोह में शामिल दो अन्य आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार किया है। उनको शनिवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।गैंगेला से दिसंबर 2025 में लगभग दो करोड़ रुपये की ठगी हुई। उन्होंने पुलिस कमिश्नर कार्यालय को 13 जनवरी 2026 को शिकायत के लिए ईमेल भेजा। इसकी जांच डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी को दी गई। डीसीपी पश्चिम ने पनकी पुलिस और साइबर सेल से जांच कराई। आरोपियों ने पनकी की वर्धमान स्टेट नाम से फर्म बनाकर गैंगेला की कंपनी से स्टील रैक का सौदा किया। रुपये लेने के बाद संवाद बंद कर दिया। पनकी इंस्पेक्टर मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में झांसी के अमित ओम प्रकाश शर्मा और नौबस्ता के आकाश कुमार का नाम सामने आया। उनके पास से कई फर्म की मोहर, बैंक, आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज मिले।दोनों की निशानदेही पर मुंबई की कांदीवली के रोहित विजय चांचड़ और नौबस्ता पशुपतिनगर के अरविंद महंत यादव को गिरफ्तार किया गया। रोहित विजय चांचड़ और अरविंद महंत यादव को जेल भेज दिया गया है। अमित ओम प्रकाश शर्मा और रोहित विजय चांचड़ साथ में एमबीए करते थे। पहले किसी मल्टीनेशनल कंपनी में कार्य किया, जहां से निकलने के बाद दोनों ठगी के खेल में शामिल हो गए।

तीन साल की बच्ची को बोरे में भरकर अपहरण करने का प्रयास, मासूम के रोने पर लोगों ने महिला को पकड़ा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पनकी धाम मंदिर के नजदीक शनिवार रात तीन साल की बच्ची को बोरे में भरकर अपहरण करने का प्रयास हुआ। यह वारदात गोंडा निवासी महिला ने अंजाम दिया। उसने बच्ची को टॉफी का लालच देकर बोरे में बंद कर लिया था, लेकिन उसके रोने की आवाज सुनकर लोगों को शक हुआ। उसे जैसे ही रुकने के लिए कहा गया तो वह भागने लगी। लोगों ने महिला को दौड़ाकर पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है। उसके और साथी होने की आशंका जताई जा रही है। मूलरूप से घाटमपुर के उरिया गांव के मनीष यादव गंगागंज कच्ची बस्ती में परिवार के साथ रहते हैं। वह ई-रिक्शा चलाकर जीवन यापन कर रहे हैं। पनकी थाना प्रभारी मनोज सिंह के मताबिक शनिवार की रात लगभग आठ बजे मनीष की तीन वर्षीय बेटी सेजल उर्फ बिट्टो घर के बाहर खेल रही थी। इस बीच एक महिला आई और उसने टॉफी दिलाने का लालच दिया। सेजल उसके साथ चली गई। कुछ दूरी पर जाते ही महिला ने बच्ची को बोरे में भर लिया और तेजी से उसे ले जाने लगी। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों को शक हुआ। उन्होंने महिला से रुकने को कहा, लेकिन वह भागने लगी।

मौके पर मौजूद लोगों ने महिला को पकड़ लिया। बोरे को खोल कर देखा तो सभी दंग रह गए। अंदर बच्ची मिली। वह हल्की सी बेसुध हो गई थी। राहगीरों ने उसको पानी पिलाया और घर की जानकारी की। इस बीच कुछ लोगों ने बच्चा चोर समझकर महिला की पिटाई कर दी। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस थाने के साथ महिला शक्ति केंद्र का स्टाफ भी आ गया। उन्होंने बच्ची को उसकी मां पूजा के हवाले कर दिया। महिला की पहचान गोंडा के आर्यनगर निवासी कुनका बताई जा रही है। उसने पति का नाम सफी अहमद बताया है। मौजूदा समय में सचेंडी के कला का पुरवा में रह रही है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पिस्टल से कनपटी पर गोली मारने वाले कारोबारी ने दम तोड़ा

कानपुर। तिलकनगर में मंगलवार देर रात अवैध पिस्टल से कनपटी पर गोली मारने वाले कपड़ा कारोबारी सनल कपूर (40) ने शुक्रवार शाम सर्वोदय नगर के अस्पताल में दम तोड़ दिया। बेटे की मौत से दुखी पिता रतन ऑर्बिट निवासी सत्यप्रकाश कपूर का आरोप है कि बहू प्रियंका बेटे से आए दिन झगड़ा करती थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में अधिक खून बहने और कोमा में जाने से मौत की पुष्टि हुई।सनल कपूर का नयागंज में साड़ियों का कारोबार है। परिवार में पत्नी प्रियंका, दो बेटियां झलक (13) और वानी (7) है। जनरलगंज में ट्रेडिंग का काम करने वाले सनल के पिता सत्य प्रकाश कपूर के अनुसार इकलौते बेटे सनल ने वर्ष 2010 में काहूकोठी निवासी प्रियंका से प्रेमविवाह किया था। शादी में वह और पत्नी रेखा कपूर नहीं शामिल हुए थे। शादी के बाद वह लोग इंद्रलोक विला अपार्टमेंट के तीसरे फ्लोर में रहने लगे। आरोप है कि बहू को उनका घर में आना-जाना पसंद नहीं था

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।